राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 29 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–366 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

'जिन्ना-पाकिस्तान' पर बोले मुनव्वर राणा, कहा- योगी आएगा तो मैं पलायन कर दूंगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बस कुछ ही दिन शेष बचे हैं। ऐसे में सभी पार्टियां बढ़-चढ़ कर चुनाव प्रचार करने में जुटी हैं। साथ ही सभी पार्टियां अलग-अलग मुद्दे को लेकर वोटर्स का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इस चुनावी सीजन में जिन्ना-पाकिस्तान का मुद्दा भी खूब उठता दिख रहा है। इसको लेकर अब मशहूर शायर मुनव्वर राणा ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'जनता असल मुद्दों पर गौर कर वोट डालेगी। ये जिन्ना-पाकिस्तान से चुनावों का क्या लेना-देना है? इससे किसी भी पार्टी को कुछ हासिल नहीं होगा। ' उन्होंने आगे कहा, 'पहले बैरिस्टर का नाम लिया जा रहा था तो जिन्ना का नाम आना ही था। ' साथ ही राणा ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा, 'अभी हम बोलेंगे कि हम 'आराम' कर रहे हैं तो ये बोल ने लगेंगे कि हमारे राम में आप 'आ' क्यों रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तो चीन के डर से शुगर को चीनी बोलना ही बंद कर दिया है। वहीं, पलायन की बात करते हुए उन्होंने कहा कि, मैं पहले ही बोल चुका हूं अगर योगी आएगा तो मैं पलायन कर दूंगा। इस बात को स्पष्ट तौर पर नोट कर लिया जाए। उन्होंने ये भी कहा कि, अगर कैराना से 10 हिंदुओं के पलायन का जिक्र किया जाता है तो हजारों मुसलमान भी यहां से पलायन कर रहे हैं जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, मुसलमान ने अपने घरों में छुरी तक रखना बंद कर दिया है कि पता नहीं कब योगी उनको बंद करवा दें।

दिल्ली: कोल्ड अटैक जारी

न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस, इस साल जनवरी में 7 बार आए पश्चिमी विक्षोभ

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम था। मौसम विभाग के अनुसार, दिन में धूप खिली रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। अगले कुछ दिन तक अधिकतम तापमान बढ़कर 20 से 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान बढ़कर 10 से 11 डिग्री सेल्सियस होने की उम्मीद है। राजधानी दिल्ली में जनवरी के दूसरे सप्ताह से, अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान सामान्य के नजदीक या उससे अधिक रहा है। दिल्ली में इस साल जनवरी में सात पश्चिमी विक्षोभ आए हैं, जबकि महीने में यह सामान्य से तीन से चार बार होता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई बारिश ने हवा में नमी बढ़ा दी जिससे अधिकांश दिनों में कम तापमान के बीच कोहरा छाया रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में 7 जनवरी से 25 जनवरी के बीच ₹बहुत कमर धूप दर्ज की गई। आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में जनवरी में अब तक सात ठंडे दिन दर्ज किए गए हैं, जो कम से कम एक दशक में महीने में सबसे अधिक है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक आर.के. जेनामणि ने कहा कि दिल्ली में इस महीने 13 दिनों में अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया है, जो 2003 के बाद से सबसे अधिक है, जिसमें ऐसे 18 दिन देखे गए थे। दिल्ली में जनवरी में मंगलवार को नौ साल में सबसे ठंडा दिन देखा गया, जहां अधिकतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री नीचे गिरकर 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम

विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले 3 जनवरी 2013 को अधिकतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। राजधानी में इस जनवरी में भी 82.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 122 वर्षों में महीने में सबसे अधिक है।

कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा की नातिन की अपार्टमेंट में लाश मिली, सुसाइड

बेंगलूरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की नातिन सौंदर्या बेंगलुरु के एक निजी अपार्टमेंट में लाश मिली है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, सौंदर्या के आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लग पाया है। फांसी के फंदे से झूलते हुए पाए जाने पर सौंदर्या को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल बॉरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल में उनका पोस्टमॉर्टम चल रहा है। सौंदर्या 30 साल की थीं। वह बेंगलुरु के एमएस रमैया अस्पताल में डॉक्टर थीं। वह माउंट कार्मेल कॉलेज के पास महंगे अपार्टमेंट में अपने पति और छह महीने के बच्चे के साथ रह रही थीं। उनके पति भी पेशे से डॉक्टर हैं। सौंदर्या येदियुरप्पा की पहली बेटी पद्मा की बेटी थीं, जो परिवार में सबसे बड़ी हैं। इस खबर से उनके परिवार और प्रदेश भाजपा को झटका लगा है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ भाजपा के दिग्गज नेता को सांत्वना देने अस्पताल पहुंचे हैं। घटनाक्रम से वाकिफ एक व्यक्ति ने जानकारी दी कि सौंदर्या की मौत आत्महत्या से हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि हम अभी तक नहीं जानते कि सौंदर्या के इस कदम के पीछे इसका कारण है।

पीएम मोदी बोले, संगीत के क्षेत्र में भी होना चाहिए

तकनीक और आईटी का रिवॉल्यूशन

नई दिल्ली। पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्थान को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि उनकी शास्त्रीय विरासत को आप सब आगे बढ़ा रहे हैं। आज पंडित जसराज जी की जन्मजयंती के पुण्य अवसर भी है। इस दिन पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन की स्थापना के इस अभिनव कार्य के लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं। संगीत एक बहुत गूढ़ विषय है। मैं इसका बहुत जानकार तो नहीं हूं, लेकिन हमारे ऋषियों ने स्वर और नाद को लेकर जितना व्यापक ज्ञान दिया है, वो अद्भुत है। पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन का प्राथमिक उद्देश्य भारत की राष्ट्रीय विरासत कला और संस्कृति की रक्षा करना और इसका विकास और प्रचार करना होगा। मुझे जानकर अच्छा लगा कि ये फाउंडेशन उभरते हुए कलाकारों को सहयोग देगा और आर्थिक रूप सक्षम बनने के लिए प्रयास करेगा। जब टेक्नोलॉजी का प्रभाव हर क्षेत्र में है, तो संगीत के क्षेत्र में भी टेक्नोलॉजी और आईटी का रिवॉल्यूशन होना चाहिए। भारत में ऐसे स्टार्ट अप तैयार हों जो पूरी तरह संगीत को समर्पित हों, भारतीय वाद्य यंत्रों पर आधारित हों, भारत के संगीत की परंपराओं पर आधारित हों। आज हम काशी जैसे अपनी कला और संस्कृति के केंद्रों का पुनर्जागरण कर रहे हैं, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति प्रेम को लेकर हमारी जो आस्था रही है, आज भारत उसके जरिए विश्व को सुरक्षित भविष्य का रास्ता दिखा रहा है।

नैजल वैक्सीन का ट्रायल

भारत बायोटेक को नाक से दी जाने वाली बूस्टर खुराक के परीक्षण की इजाजत

नई दिल्ली। भारत के दवा नियंत्रक ने भारत बायोटेक को उसकी नाक से दी जाने वाली कोरोना वैक्सीन की बूस्टर खुराक के परीक्षण की इजाजत दे दी है। इस इंट्रा नैजल वैक्सीन की खुराक के जरिए देश में जारी कोरोना के खिलाफ जंग से निपटने में मदद मिलेगी। नाक से दी जाने वाली इस कोरोना वैक्सीन का परीक्षण देश में नौ जगह किया जाएगा। भारत बायोटेक ने स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन का निर्माण कर देश में इस महामारी के खिलाफ जंग में बड़ी कामयाबी हासिल की है। कंपनी अब बूस्टर खुराक के लिए नाक से दी जाने वाली वैक्सीन बना रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत बायोटेक ने अपनी नैजल वैक्सीन बीबीवी 154 को पहले से टीका ले चुके लोगों को बूस्टर डोज के तौर पर उपयोग करने का प्रस्ताव दिया है। इस वैक्सीन का परीक्षण ऐसे लोगों पर किया जाएगा जिन्होंने पहले कोवाक्सिन ले रखी है। भारत बायोटेक ने पहले घोषणा की थी कि उसके द्वारा निर्मित यह नैजल वैक्सीन बच्चों के लिए सुरक्षित, सहन करने योग्य है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इंट्रानैजल वैक्सीन नाक व फेफड़ों में मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र का निर्माण करेगी। इससे वायरस संक्रमण के खिलाफ सुरक्षा में मदद मिलेगी।

मुजफ्फरनगर में अखिलेश यादव बोले

यह चुनाव किसान एवं नौजवानों के भविष्य का है

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव आखिर मुजफ्फरनगर पहुंच गए हैं। अखिलेश और चौधरी जयंत की संयुक्त प्रेस वार्ता शुरू हो गई है। अखिलेश ने मुजफ्फरनगर की जनता से बताया कि मैं दिल्ली में कई घंटे तक हेलीकॉप्टर में बैठा रहा। अखिलेश ने कहा कि यह चुनाव किसानों और नौजवानों के भविष्य का है। चौधरी जयंत सिंह ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों में काफी रोष है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी गठबंधन की ओर देख रहा है। वहीं अखिलेश ने कहा कि चुनाव में उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को लगाया है। ताकि अधिकारियों पर दबाव बनाया जा सके और दवाब में उनका वोट डलवाया जा सके। अखिलेश यादव ने कहा कि आप प्रचार का तेल-घी न खाएं, अपना शुद्ध तेल खरीद कर ही खाएं। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी कहा था कि बुंदेलखंड में तेल का कारखाना लगाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का गंगा एक्सप्रेसवे तो पता नहीं कब बनेगा। लेकिन सपा और रालोद गठबंधन यहां से लखनऊ के लिए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे जरूर बनाएंगे। वहीं हाईकोर्ट बेंच की मांग के सवाल पर कहा कि

गठबंधन इस काम को भी जरूर कराएगा। इससे पहले उन्होंने एक ट्वीट किया था। ट्वीट में उन्होंने लिखा कि मेरे हैलीकॉप्टर को अभी भी बिना किसी कारण बताए दिल्ली में रोककर रखा गया है और मुजफ्फरनगर नहीं जाने दिया जा रहा है। जबकि भाजपा के एक शीर्ष नेता अभी यहां से उड़े हैं। हारती हुई भाजपा की ये हताशा भरी साजिश है। उन्होंने ट्वीट में नीचे लिखा कि जनता सब समझ रही है। इसके बाद अखिलेश यादव ने एक और ट्वीट किया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि सत्ता का दुरुपयोग हारते हुए लोगों की निशानी है॒॒ समाजवादी संघर्ष के इतिहास में ये दिन भी दर्ज होगा। हम जीत की ऐतिहासिक उड़ान भरने जा रहे हैं। बता दें कि अखिलेश यादव और चौधरी जयंत सिंह को आज मुजफ्फरनगर और मेरठ में संयुक्त प्रेस वार्ता करेंगे है। दरअसल, गठबंधन और सीटों के बंटवारे के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह पहली बार मुजफ्फरनगर में एक साथ बैठेंगे। मीडिया से रूबरू होंगे और भाजपा पर सियासी हमले भी बोलेंगे। कोरोना काल के माहौल में दोनों नेताओं की यह मुलाकात महत्वपूर्ण है। इस दौरान दोनों दलों के पदाधिकारी जुटेंगे और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चुनाव को लेकर रणनीति तैयार करेंगे। दोनों नेता संयुक्त रूप से मीडिया से भी रूबरू होंगे, इसकी पुष्टि सपा जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने की थी। गृहमंत्री अमित शाह के कैराना में घूमने और पलायन का मुद्दा उठाने, इसके बाद दिल्ली में जाट समाज के प्रतिनिधियों को बुलाने के बाद सियासी पारा चढ़-उतर रहा है। साफ हो चुका है कि भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे को ही धार दे रही है। ऐसे में देखने वाली बात यह होगी कि अखिलेश और जयंत मुजफ्फरनगर से कार्यकताओं को किस तरह का संदेश देते हैं।

नहीं माने सीएम चन्नी के भाई, बस्सी पठाना से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर भरा पर्चा

चण्डीगढ़। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भाई डॉक्टर मनोहर सिंह बस्सी ने बस्सी पठाना से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भाई ने शुक्रवार को पर्चा दाखिल किया। मनोहर सिंह को बस्सी पठाना विधानसभा सीट से कांग्रेस से टिकट मिलने की उम्मीद थी लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी ने अपने मौजूदा विधायक को ही मैदान में उतारने का फैसला किया। जिसके बाद अब मनोहर सिंह ने बस्सी पठाना निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया। कांग्रेस ने 86 उम्मीदवारों की अपनी पहली ही सूची में बस्सी पठाना (एससी) सीट से पार्टी विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी को टिकट दिया था। मनोहर सिंह ने गुरप्रीत सिंह जीपी को टिकट देने के कांग्रेस के फैसले को निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ अन्याय करार दिया और आरोप लगाया कि मौजूदा विधायक अक्षम और अप्रभावी॒ रहे।

एमपी के गृहमंत्री ने साधा हामिद अंसारी पर निशाना, यूपी चुनाव से जोड़कर कही यह बात

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने आज देश के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी पर निशाना साधा। उन्होंने कहाकि जैसे-जैसे यूपी के चुनाव करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे टुकड़े-टुकड़े गैंग के समर्थक बेनकाब हो रहे हैं। नरोत्तम मिश्रा ने कहाकि देश ने हामिद अंसारी को दो-दो बार उपराष्ट्रपति बनाया। लेकिन वैश्विक मंच पर देश के खिलाफ बातें कर उन्होंने संकीर्ण मानसिकता का ही परिचय दिया है। असल में पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने देश में मुसलमानों के प्रति खराब माहौल को दुर्भाग्यपूर्ण बताया था। नरोत्तम मिश्रा हामिद अंसारी के इसी बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मिश्रा ने इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस नेता कमलनाथ महान भारत को बदनाम भारत कहते हैं। वहीं दिग्विजय सिंह से लेकर सलमान खुर्शीद और राशिद अल्वी तक देश को बदनाम करने में लगे रहते हैं। मिश्रा ने कहाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को बदनाम करने के लिए प्रोपोगैंडा चलाया जा रहा है। धीरे-धीरे यह हम सबके सामने आ रहा है। गौरतलब है कि इंडियन अमेरिकन मुस्लिम परिषद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंसारी ने कहा था कि हिंदू राष्ट्रवाद चिंता का विषय है। देश में लोग धार्मिक आधार पर बंटे हुए हैं। राष्ट्रीयता को लेकर लोगों के बीच विवाद पैदा किया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव 2022: स्वामी प्रसाद मौर्य के दावे से सहमी भाजपा ने पुराने चेहरों को दिया टिकट, क्या टल गई है बगावत?

लखनऊ। भाजपा के बागी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी में शामिल होते वक्त दावा किया था कि योगी आदित्यनाथ सरकार के कई मंत्री सरकार के कामकाज से नाराज हैं और जल्द ही वे भी उनकी तरह सपा के साथ आ जाएंगे। मौर्य के इस दावे का असर कहें या रणनीति में बदलाव, भाजपा ने ज्यादातर पुराने चेहरों को दोबारा मैदान में उतार दिया है। शुक्रवार को जारी हुई 91 उम्मीदवारों की सूची में सूर्यप्रताप शाही और सिद्धार्थ नाथ सिंह सहित 13 मंत्रियों को दोबारा चुनावी मैदान में उतार दिया गया है, तो ज्यादातर विधायकों को भी एक बार फिर से किस्मत आजमाने का मौका मिला है। इसके पहले खराब परफॉरमेंस वाले आधे मंत्रियों और विधायकों के टिकट काटे जाने की बात कही जा रही थी। माना जा रहा है कि पार्टी में और बगावत को टालने के लिए पार्टी ने वर्तमान मंत्रियों-विधायकों को दोबारा मैदान में उतारने का फैसला किया। भाजपा की नई सूची में उन लोगों को भी टिकट थमा दिया गया है जो केवल एक दिन पहले पार्टी में शामिल हुए हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की सलाहकार टीम के विशेष सदस्य रहे राकेश सचान को भोगनीपुर

विधानसभा सीट से मैदान में उतार दिया गया है। भाजपा की यह नीति केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है। उत्तराखंड में भी पार्टी ने यह नीति बनाए रखी है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष किशोर उपाध्याय एक दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए थे। शुक्रवार को जारी सूची में उन्हें भी टिहरी से प्रत्याशी घोषित कर दिया गया है। भाजपा ने योगी आदित्यनाथ सरकार के 13 मंत्रियों को दोबारा मैदान में उतारने का फैसला किया है। इनमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और सिद्धार्थ नाथ सिंह भी शामिल हैं। सिद्धार्थ नाथ सिंह को इलाहाबाद पश्चिम की सीट से दोबारा मौका मिला है तो नंद गोपाल नंदी को इलाहाबाद दक्षिण से प्रत्याशी बनाया गया है। रमापति शास्त्री को मनकापुर से, जयप्रकाश निषाद को रुद्रपुर से, राजेंद्र प्रताप सिंह मोती को पट्टी से, अनुपमा जायसवाल को बहराइच से और सतीश द्विवेदी को इटावा से उम्मीदवार घोषित किया गया है। सूर्य प्रताप शाही को पथरदेवा से मैदान में उतारा गया है। श्रीराम चौहान धनघटा की जगह खजनी से चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अयोध्या से चुनाव लड़ाने की बात जोरशोर से कही गई थी, लेकिन आखिर में उन्हें गोरखपुर से चुनाव चुनाव लड़ाने का फैसला किया गया। जबकि अयोध्या के सीट पर भाजपा के वर्तमान विधायक वेद प्रकाश गुप्ता दोबारा मैदान में उतारे गए हैं। मिल्कीपुर सीट से गोरखनाथ बाबा को मौका दिया गया है तो रुदौली से रामचंद्र यादव एक बार फिर से अपनी किस्मत आजमाएंगे।

सुविचार

चिंता से चित्त को संताप और आत्मा को दुर्बलता प्राप्त होती है, इसलिए चिंता को तो छोड़ ही देना चाहिए। - ऋग्वेद

संपादकीय

पाबंदियों में ढील

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के चलते लगी पाबंदियों में ढील का जहां स्वागत होना चाहिए, वहीं लोगों को बचाव के प्रति किसी तरह की कोताही नहीं बरतनी चाहिए। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की गुरुवार को हुई बैठक में पाबंदियों में बहुत राहत दी गई है। सबसे बड़ा फैसला यह है कि सप्ताहांत में लगने वाले कर्फ्यू को खत्म करने का निर्णय लिया गया है। बाजारों को ऑड-ईवन के आधार पर खोलने की शर्त को भी अब खत्म कर दिया गया है। रात्रिकालीन कर्फ्यू जारी रहेगा, लेकिन 50 प्रतिशत क्षमता के साथ रेस्तरां, बार और सिनेमा हॉल में कारोबार को मंजूरी जरूरी है। सरकारी कार्यालयों को भी आधी क्षमता के साथ खोलने को मंजूरी मिल गई है, तो जाहिर है, निजी के साथ-साथ सरकारी कामकाज में भी तेजी लौटेगी और बेरोजगारी को बढ़ने से रोका जा सकेगा। वास्तव में, दिल्ली एक ऐसा शहर है, जहां लाखों लोग बाहर से रोजगार-धंधे के लिए आते हैं। असंगठित क्षेत्र भी बहुत विशाल है, लॉकडाउन जैसी स्थिति बनने पर हताशा का आलम लौट सकता है। अत- ज्यादा समय न गंवाते हुए दिल्ली सरकार ने जारी पाबंदियों में ढील देने का सही फैसला किया है। शादियों की वापसी होनी है, जिनमें 20 के बजाय अब 200 लोग शामिल हो सकेंगे। मध्य जनवरी से पहले दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ने लगे थे। प्रतिदिन 50,000 से ज्यादा मामले आने लगे थे, लेकिन अब गिरावट जारी है। प्रतिदिन के मामलों की संख्या 10,000 से भी कम हो गई है, इसलिए विगत पांच-छह दिनों से सरकार पर दबाव बढ़ रहा था कि वह पाबंदियों में ढील दे, ताकि सामान्य जनजीवन और रोजगार-धंधों की वापसी हो। बाजार की ओर से जो दबाव बढ़ रहा था, उसे कतई गलत नहीं कहा जा सकता। जनवरी की शुरुआत में जब मामले बढ़ने लगे थे, तब आशंकाएं बहुत बढ़ गई थीं। ओमीक्रॉन को लेकर भी तनाव था, पर तत्काल पाबंदियों की वापसी से मामले आशंका के अनुरूप नहीं बढ़े और यह एक तरह से सबक भी है। भविष्य में भी जब मामले तेजी से बढ़ेंगे, तब लोगों को कुछ पाबंदियों के लिए तैयार रहना होगा। अच्छा है कि अभी स्कूल नहीं खोले जा रहे हैं और मामलों के ज्यादा घटने का इंतजार है। तीसरी लहर को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने जो तत्काल कदम उठाए थे, उससे दूसरी राज्य सरकारों को भी सीखना चाहिए। देश में जहां भी मामले घट रहे हैं, वहां प्रतिबंधों में ढील चरणबद्ध ढंग से देना सही फैसला है। समग्रता में देखें, तो मध्य जनवरी में प्रतिदिन के मामलों की संख्या पांच लाख से ज्यादा हो गई थी, लेकिन अब तीन लाख से नीचे आ गई है। मतलब समग्रता में आंकड़े स्थिति के सुधरने का संकेत दे रहे हैं। बिहार में भी कोरोना के दैनिक मामले 12 हजार से ज्यादा पहुंच गए थे, लेकिन अब घटकर दो हजार के आसपास आ गए हैं। उत्तर प्रदेश में दैनिक मामले 15 हजार से ज्यादा हो गए थे, लेकिन अब 11 हजार से कम हो गए हैं। कुछ सुधार देखकर ढिलाई बरतने का खतरा नहीं उठाना चाहिए। उत्तर प्रदेश पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी है। चुनाव आयोग और प्रशासन की मुस्तैदी के चलते पूरी कोशिश हो रही है कि भीड़ से बचा जाए। देश में सबसे विशाल आबादी वाले राज्य में चुनावों का सकुशल संपन्न हो जाना एक बड़ी सफलता होगी।

आज के कार्टून

समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

कितनी जल्दी एयर इंडिया का कायाकल्प करेगा टाटा समूह

– आर.के. सिन्हा

एयर इंडिया पर आज 27 जनवरी से टाटा ग्रुप का नियंत्रण हो जाएगा। पहले कहा जा रहा था कि एयर इंडिया 23 जनवरी को ही टाटा ग्रुप को सौंप दी जाएगी। अब टाटा ग्रुप के ऊपर यह बड़ी चुनौती है कि इसे कैसे विश्वस्तरीय एयरलाइंस में तब्दील करे। एयर इंडिया की सर्विस गुजरे दशकों से लगातार बद से बदतर होती रही थी। इसके खर्चे बढ़ते जा रहे थे और कमाई घट रही थी। इसलिए टाटा ग्रुप को इसे पटरी पर लाने के लिए अब सख्त और त्वरित ठोस प्रयास करने होंगे। एयर इंडिया को बाबूगिरी ने तबाह कर दिया था। टाटा ग्रुप के खरीदने के बाद भी इसकी सर्विस में सुधार नहीं हुआ। यहां के स्टाफ के कामकाज का स्तर और उर्जा को देखकर साफ समझ आ जाता है कि इनमें जंग लग चुकी है। जहां पर नौकरी सुरक्षित और पगार का मिलना तय होता है, वहां स्वाभाविक रूप से गड़बड़ शुरू हो जाती है। एयर इंडिया के साथ भी यही हुआ। मुझे बीते कुछ समय के दौरान एयर इंडिया की फ्लाइट से मुंबई, बनारस, पटना, लखनऊ वगैरह आने-जाने का मौका मिला। सब जगहों में हालात बेहद लचर नजर आए। फ्लाइट के दौरान पहले की भांति घटिया नाश्ता और भोजन, मुसाफिरों को दिया गया। कहना न होगा कि इन सब कारणों के चलते ही एयर इंडिया को हर साल सैकड़ों करोड़ का घाटा होता रहा। क्योंकि मुसाफिरों ने अन्य एयरलाइंस में जाना शुरू कर दिया। आप जानते हैं कि टाटा ग्रुप कई वर्षों से एयर इंडिया के अधिग्रहण की कोशिश कर रहा था। दरअसल पहले सरकार एयर इंडिया में कुछ हिस्सेदारी बेचना चाह रही थी। लेकिन जब सरकार ने पूरी तरह टाटा समूह में अपनी हिस्सेदारी बेचने का निर्णय लिया तब टाटा ने 18 हजार करोड़ रुपये में एयर इंडिया को खरीद लिया। टाटा समूह के पास विस्तारा और एयर एशिया एयरलाइंस पहले से मौजूद है। जाहिर है, टाटा ग्रुप के पास एयर इंडिया में जान फूंकने की अवश्य ही कोई ठोस कार्य योजना होगी। अगर यह बात न होती तो वह इसे खरीदता ही क्यों। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और मेनेटर रतन टाटा और चेयरमैन एन.चंद्रशेखर अपने समूह के आला अफसरों के साथ बॉम्बे हाउस में बैठकर अवश्य ही एयर इंडिया को नए सिरे से खड़ा करने के बारे में योजनाएं बना रहे होंगे। बॉम्बे हाउस में टाटा समूह का हेड आफिस है। इसमें ही टाटा समूह के नमक से लेकर स्टील क्षेत्र की कंपनियों के सभी प्रमुख बैठते हैं। टाटा समूह के आला अफसरों को समझ लेना होगा कि भले ही टाटा समूह का ब्राण्ड भारत और भारत के

बाहर बहुत सम्मान की नजरों से देखा जाता है, पर उसे एयर इंडिया को बेहतरीन एयरलाइंस बनाने के लिए स्टाफ को मोटिवेट करने से लेकर नई टेक्नालॉजी का सहारा लेना होगा। अब एयर इंडिया का सारा इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) संबंधी काम टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) कर सकती है। टीसीएस दुनिया की सबसे खास आईटी सेक्टर की कंपनियों में शुमार होती है। उसकी तरफ से संसार की कई मशहूर एयरलाइंस को सेवाएं पहले से ही दी जा रही हैं। टीसीएस का त्रैमासिक मुनाफा 18 हजार करोड़ रुपए से ऊपर आ रहा है। तो आईटी के मोर्चे पर तो एयर इंडिया को टीसीएस की सेवाएं आसानी से मिल जाएंगी। यह तो उसके घर का मामला ही माना जा सकता है। कोई भी उद्योग, खासतौर पर सर्विस सेक्टर, तब ही गति पकड़ सकता है जब वहां का स्टाफ भी कमर कस ले। इसके बिना तो बात नहीं बनेगी। एयर इंडिया के ग्राउंड और फ्लाइट के दौरान रहने वाले स्टाफ तो देखकर समझ में आता है कि उन्हें अपने कस्टमर्स के हितों को लेकर कोई गंभीरता या संवेदनशीलता का भाव नहीं है। वे बस अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। मुझे खुद देखकर अफसोस हुआ कि टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद भी इसके पुरुष मुलाजिम तीन-चार दिनों की बढ़ी हुई दाढ़ी के साथ काम कर रहे हैं। फ्लाइट के दौरान मुसाफिरों को कायदे से सूचनाएं भी नहीं दी जा रही थीं। इनके विपरीत निजी एयर लाइनों के स्टाफ में कमाल की उर्जा और उत्साह देखने में आता है। समझ आता है कि वे किसी खास लक्ष्य को हासिल करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। एयर इंडिया के पुराने स्टाफ को अब अपने पुराने तौर-तरीकों को छोड़ना ही होगा। अब वे इस तरह की उम्मीदें पालना छोड़ दें कि उनके ऊपर उनसे छोटी उम्र का कोई अफसर नहीं आएगा। अब मेरिट का दौर है तो वही चलेगा। अब जो अपने को साबित करेगा वह ही पदोन्नति भी हासिल करेगा। एयर इंडिया की हालत इसलिए ही नहीं सुधरी कि वहां मेरिट की अनदेखी हुई। एयर इंडिया के स्टाफ इस बात के लिए भी तैयार रहें कि उन्हें देश के किसी भी भाग में कभी भी ट्रांसफर किया जा सकता है। पहले तो ये सभी ट्रांसफर होने की हालत में दिल्ली में सांसदों से लेकर मंत्रियों के घर याचक के भाव से खड़े हो जाया करते थे कि इनकी किसी तरह से ट्रांसफर न हो। और, कोई न कोई अफसरशाह, सांसद या मंत्री इनकी मदद कर ही देता है। फिलहाल यह भी लग रहा है कि टाटा ग्रुप एयर इंडिया का संचालन दिल्ली से ही करेगा। हालांकि उसकी चाहत तो ऐसी थी कि उसे सरकार के साथ इस सौदे की डील में मुंबई का एयर इंडिया हाउस भी मिल जाए। मरीन ड्राइव पर स्थित एयर इंडिया बिल्डिंग मुंबई की शान है। लेकिन सौदे में सरकार ने एयर इंडिया बिल्डिंग अपने पास ही रखी। टाटा समूह एयर इंडिया को राजधानी के गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित एयरलाइंस हाउस से संचालित करेगी। यानी इधर ही एयर इंडिया के नए बड़े अफसर बैठेंगे। इन्हें मुंबई से दिशा-निर्देश मिलते ही रहेंगे। देखिए, भारत में एविएशन सेक्टर लंबी छलांग लगा रहा है। यहां पर सभी स्तरीय सेवाएं देनी वाली एयरलाइंस के लिए मुनाफा कमा कर आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर आगामी कई दशकों तक रहेंगे। भारतीय लंबी दूरी के लिए अब हवाई यात्रा पर ज्यादा भरोसा जता रहे हैं। हवाई यात्रा अब बस और रेल यात्रा पर भारी पड़ने लगी है। देश में तो हवाई यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ ही रही है, विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या में भी भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। अगर बात 2019 की करें तो तब 71 हजार भारतीय रोजाना विदेशों के लिए उड़ान भर रहे थे जो प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यह साफ प्रमाण है कि उत्तम सेवा देने वाली एयरलाइन आगे तो बढ़ेगी ही।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

जारा के हौसलों ने नाप दी दुनिया

अरुण नैथानी

आमतौर पर भारत में जिस उम्र में बेटियां पढ़ाई पूरी कर करिअर की दिशा तलाश रही होती हैं, उस छोटी-सी उम्र में बेल्जियम की जारा रदरफोर्ड ने पूरी दुनिया का चक्कर लगा दिया। वह भी अकेले अपने छोटे से हवाई जहाज से। उसने दुष्यंत के कथन को सार्थक कर दिया कि तबीयत से पत्थर उछालो तो आसमान में भी छेद हो सकता है। जारा विश्व में सबसे कम उम्र में दुनिया का चक्कर लगाने वाली महिला बन गई हैं। मगर पांच माह का यह सफर कम खतरों से भरा नहीं था। कहीं रक्त जमाती ठंड, कहीं ज्वालामुखी के ऊपर से उड़ना, कहीं ठहरी तो भूकंप के झटकों से हिल गई। मगर खतरों की यह खिलाड़ी थमी नहीं। मौसम की खराबियों से उसका तीन माह का सफर तब पांच माह में पूरा हुआ जब वह पिछले दिनों बेल्जियम के कॉर्टिज्क-वेवेलगेम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी, जहां उसके परिवार व देशवासियों ने उसका जोरदार स्वागत किया। महज उन्नीस साल की उम्र में अकेले दुनिया घूमने वाली पायलट जारा तमाम झंझावातों से गुजरते हुए इस मुकाम तक पहुंची। कई बार तो उसे लगा कि अब जीवन खत्म होने को है। वह बर्फीले बियाबान इलाकों में फंसी। एक महीने उसे अलास्का के नोम और करीब इकतालीस दिन रूस के अयान में बर्फीले तूफान के कारण फंसना पड़ा। वहीं एक बार तूफान के चलते कोलंबिया में रुकना पड़ा तो कहीं नौकरशाही की जटिलताओं से वीजा की दिक्कतों के कारण फंसना पड़ा। बेहद हल्के शार्क यूएल अल्ट्रालाइट स्पोर्ट प्लेन के जरिये अपने भारी-भरकम इरादों को पूरा करने के लिये निकली जारा ने आखिर अपने जुनून को हकीकत में बदला। वह पांच महीनों में पांच महाद्वीपों की यात्रा पूरी कर पायी। उसने करीब 51 हजार किलोमीटर का सफर बावन देशों से गुजर कर पूरा किया। वह 18 अगस्त, 2021 को अपने इस जुनून भरे सफर पर निकली थी। जारा कहती है कि यह अनुभव रोमांचित करने वाला था। वह अलास्का में मौसम खराब होने के कारण फंसी। पूर्वी रूस में तूफान आने के कारण उलझकर रह गई। आइसलैंड में ज्वालामुखी की चुनौती का सामना किया। साइबेरिया व उत्तरी कोरिया के हवाई स्पेस से निकलते हुए लगा कि कहीं जीवन खत्म न हो जाये। इस दौरान उत्तरी कोरिया मिसाइल परीक्षण कर रहा था, लेकिन किसी तरह की चेतावनी नहीं दी थी। इस यात्रा में पृथ्वी के दो विपरीत सिरों को छूने की जिद में वह इंडोनेशिया के जांबी और कोलंबिया के टुमाको में उतरी। इस तरह जारा ने अमेरिका की अफगान मूल की शाइस्ता वैस का वह रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो उसने तीस साल की उम्र में बनाया था। वैसे पुरुषों में यह रिकॉर्ड 18 साल के एक युवक का है। लेकिन पुरुष और महिलाओं की उम्र का जो फासला पहले ग्यारह साल का था, उसे जारा ने महज ग्यारह महीने का कर दिया। दरअसल, जारा रदरफोर्ड पायलट मां-बाप की बेटी है। ऊंची उड़ान के सपने उसने बचपन में ही देखने शुरू कर दिये थे। ब्रिटेन में हैंपशायर के एक स्कूल में जारा ने प्रारंभिक पढ़ाई की, लेकिन उसका परिवार बेल्जियम में रहता है। उसने चौदह साल की उम्र में हवाई जहाज उड़ाने का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। वर्ष 2020 में ही उसे पायलट का लाइसेंस मिला और 2021 में वह विश्व जीतने निकल पड़ी। अब उसका सपना एक सफल अंतरिक्ष यात्री बनने का है। वह कहती है कि उसकी यह सफल उड़ान निश्चय ही महिलाओं को विज्ञान, तकनीक और हवाई क्षेत्र में उम्दा करने के लिये प्रेरित करेगी। वह कहती है कि आमतौर पर लड़कियों से उम्मीद की जाती है कि वे सुंदर बनें, दयालु बनें तथा दूसरों की सहायता करने वाली बनें, लेकिन मैंने सिद्ध किया कि यदि मौका

मिले तो वे अपनी तमाम महत्वाकांक्षाओं को पूरा कर सकती हैं। प्रफुल्लित जारा मानती है कि यह अनुभव उद्वेलित करने वाला था। हालांकि, राह में बाधाएं कम न थीं। खासकर साइबेरिया की ठंड में, जहां यदि इंजन बंद हो जाता तो बचना मुश्किल था। लेकिन इसके बावजूद हमें रोमांच की राह चुनने से कतराना नहीं चाहिए। वह कहती है कि इस यात्रा का एक मकसद है कि लड़कियां विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग व गणित के क्षेत्र में अपना भविष्य तलाशें। जारा की इस यात्रा के लिये परिवार व प्रायोजकों का भरपूर साथ मिला। उनके स्कूल ने भी उनका मनोबल बढ़ाया। वहीं शार्क अल्ट्रालाइट विमान बनाने वाली स्लोवानिया की कंपनी शार्क ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह जारा के नाम कई रिकॉर्ड बन गये हैं। वह सबसे छोटी उम्र की अकेली दुनिया का सफर तय करने वाली पहली महिला के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गई हैं। वह विमान से दुनिया घूमने वाली बेल्जियम की पहली नागरिक भी बन गई हैं लेकिन यह यात्रा इतनी आसान भी नहीं थी। साइबेरिया में एक समय वहां का तापमान सतह पर माइनस 35 डिग्री व और हवा में माइनस 20 डिग्री था। इसी तरह इंडोनेशिया में खराब मौसम के कारण दो दिन रुकना पड़ा और टर्मिनल में ही सोना पड़ा क्योंकि वहां से बाहर निकलने के दस्तावेज नहीं थे। कैलिफोर्निया में जंगल की आग के धुएं में विमान उड़ाया, मैक्सिको में उनके विमान में खराबी आ गई, सिंगापुर में उनके विमान का टायर फट गया। उसे यह भी खला कि वह क्रिसमस व नये साल पर परिवार से दूर है। सफर में गाने सुनकर वह अपना मन बहलाती रही। सोशल मीडिया में अपने वीडियो पोस्ट करके अपने परिजनों के साथ जुड़ी रही।

सू-दोकू नवताल -2032

			1	5	7			
	7	2		6		9	8	
		5				6		
8			2		9			4
		4				1		
5			8		4			7
		6				8		
	1	7		4		5	3	
2	4	8	3	9	5			

सू-दोकू -2031 का हल

9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2032

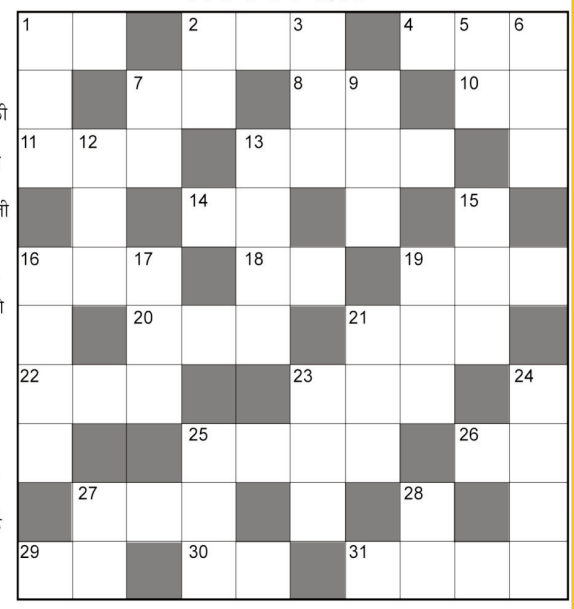

बायें से दायें:-

1. अजय देवगन, आयशा टकिया की 'प्यार तो होना ही है' गीत वाली फिल्म-2
2. 'मैं ने तेरे लिए ही सात रंग के' गीत वाली की फिल्म-3
4. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-3
7. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल की फिल्म-2
8. डिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-2
10. संजीव कुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-2
11. संजय दत्त, अभिनीत 'देखो देखो दिल ये बोले' गीत वाली फिल्म -3
13. अमिताभ, अनिल कपूर, प्रीति, ग्रेसी सिंह की फिल्म-4
14. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली फिल्म-2
16. बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-3
18. 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीत वाली फिल्म-2
19. जीतेंद्र,श्रीदेवी,जयाप्रदा की फिल्म-3
20. 'ओ रब्बा कोई तो बताये' गीतवाली फिल्म-3
21. इमरान हाशमी, उदिता गोस्वामी, शमिता शेट्टी की फिल्म-3
22. अजीत, शकीला की 'मुक्त हुए बदनाम हाये किसी से दिल को लगाके' गीत वाली फिल्म-3
23. 'इधर आ सितमगर' गीत वाली संजीव कुमार, शशि कपूर, वहीदा, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
25. फिल्म 'मदर इंडिया' के निर्देशक-4
26. 'दिलबरा दिलबरा' गीत वाली उदय चोपड़ा, ऐशा देओल, की फिल्म-2
27. राजकपूर, मीनाकुमारी की फिल्म-3
29. 'अकेले ही अकेले चला है कहां' गीत वाली दिलीप कुमार, सायरा बानो की फिल्म-2
30. अमिताभ बच्चन, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूं' गीत वाली फिल्म-2
31. बॉबी देओल, ट्विंकल की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'चल अकेला चल अकेला' गीत वाली फिल्म-3
2. अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, रवीना, लारा दत्ता की 'जुगनू की पायल' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तेरी आंखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
5. अर्जुन रामपाल, अमीषा पटेल की 'मौला जिंदगी को संवार दे मौला' गीत वाली फिल्म-2
6. 'मेहंदी लाया साजन मेरा' गीत वाली किरण जंजानी, गणेश यादव, राजन कपूर, प्रीति झंगियानी, ईशा कोप्पिकर, तारा की फिल्म-3
7. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
9. 'किस को कहें हम अपना' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लो, रंजीता की फिल्म-3
12. फिल्म 'महानता' में संजय दत्त की नायिका-3
13. 'हमका ऐसा वैसा ना समझो, हम बड़े काम की चीज' गीतवाली अमिताभ, वहीदा की फिल्म-4
15. अमिताभ, संजय दत्त, की 'आ नजर में तुझको मैं भर लूं' गीत वाली फिल्म -3
16. देव आनंद, जीनत अमान की फिल्म-4
17. शम्मी कपूर, नूतन की 'चोरी चोरी एक इशारा हो गया' गीत वाली फिल्म-3
19. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
21. जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की 'आजा मेरी जान ये है जून का महीना' गीत वाली फिल्म-3
23. नवीन निश्चल, विनोद मेहरा की फिल्म-3
24. 'होठों से छू लो तुम, मेरा गीत अमर कर दो' गीत वाली फिल्म-4
25. 'जो थोड़ी देर के लिए' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
27. सुनील दत्त, संजीव कुमार, जीनत अमान, रीना राय की 'बोले सजना मुझे छोड़के' गीत वाली फिल्म-2
28. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2031

वि	वे	क		भू	ल	भु	लै	या	
	ल		जी	त			ला	रा	
शं	क	रा			रे	ड		ना	म
	म	ज	बू	र		र	न		म
अ		पू		ह	त्या		वी	र	ता
स	पू	त		मा		जी	न	त	
रा	जा		आ	न		वा		न	वशा
नी		आ	शा		गो		शो		
	डो		ज्यो	ति		ज्वा	र	भा	टा
वी	र	ग	ति		मे	ला		भी	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार ने ओमिक्रॉन के डर से रोकी हलवा सेरेमनी, पहली बार टूटी परंपरा

संक्रमण के जोखिम व हेल्थ प्रोटोकॉल को देखते हुए इस बार कोर स्टाफ को मिठाइयां बांटी गई

नई दिल्ली ।

दिल्ली में कोरोना के नए स्वरुप ओमीक्रॉन के डर से इस बार हर साल बजट से पहले होने वाली 'हलवा सेरेमनी' को रोक दिया गया है। भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जब बजट से पहले की इस परंपरा को नहीं निभाया गया। सरकार का कहना है कि दिल्ली में कोविड संक्रमण की संख्े या घटने के साथ ही नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मामले बढ़ने लगे और इसे प्रमुख स्ट्रेन घोषित कर दिया गया है। केंद्रीय बजट की तैयारियां भी अंतिम चरण में हैं और संक्रमण के जोखिम व हेल्थ प्रोटोकॉल को देखते हुए इस बार कोर स्टाफ को मिठाइयां बांटी गई हैं। बजट बनाने में जुटे सभी अधिकारियों को कार्यस्थल पर ही 'लॉक इन' मोड में रखा गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण पिछली बार की तरह इस बार भी 1 फरवरी को पेपरलेस ग्रीन बजट पेश करेंगी।

बजट को अंतिम रूप देने से पहले वित्त मंत्रालय हर साल नॉर्थ ब्लॉक स्थित अपने बेसमेंट में हलवा सेरेमनी करता है।इस दौरान वित्तमंत्री पारंपरिक कढ़ाई में हलवा पकाने के लिए करछी चलाते हैं फिलहाल यह काम मौजूदा वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को करना था और हलवा पकाकर बजट बनाने में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों में परंपरा के तौर पर बांटना था। बजट बनाने वाले सभी अधिकारियों व अन्य स्टाफ को इसकी शुरुआत से लेकर बजट पेश किए जाने तक एक ही जगह बंद रखा जाता है। यह कदम बजट की गोपनीयता बनाए रखने के लिए होता है और इसे सार्वजनिक किए जाने के बाद ही इन अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने परिवार या अन्य सगे संबंधियों से मिलने दिया जाता है। बजट छापने के लिए नॉर्थ ब्लॉक के अंदर ही प्रेस भी स्थित है।

कच्चा तेल सात साल में पहली बार 90 डॉलर पार

मुंबई ।

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल सात साल के बाद पहली बार 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। क्रूड ऑयल की कीमत अक्टूबर 2014 के बाद सबसे ज्यादा है। इसके बावजूद घरेलू बाजार में पिछले 86 दिनों से पेट्रोल-डीजल की कीमत में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। कंपे नियों का कहना है कि पांच राज्यों में अभी विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। ऐसे में जब तक चुनाव समाप्त नहीं हो जाते, पेट्रोल-डीजल के भाव में बदलाव की संभावना नहीं है। मार्च तक चुनाव का दौर चलता रहेगा। वै श्विक बाजार में कच्चे तेल का भाव बढ़ने के दो प्रमुख कारण हैं। यूक्रेन को लेकर एक तरफ रूस है और दूसरी तरफ वेस्टर्न देश हैं। रूस ने यूक्रेन की सीमा पर बड़ी संख्या में अपने सैनिकों को लगा दिया है। अमेरिका इसका विरोध कर रहा है। उसका कहना है कि अगर रूस किसी तरह की कार्रवाई करता है तो उसके खिलाफ सैंक्शन लगाए जाएंगे। इसके अलावा मिडिल ईस्ट देशों की तरफ से उत्पादन नहीं बढ़ाया जा रहा है।

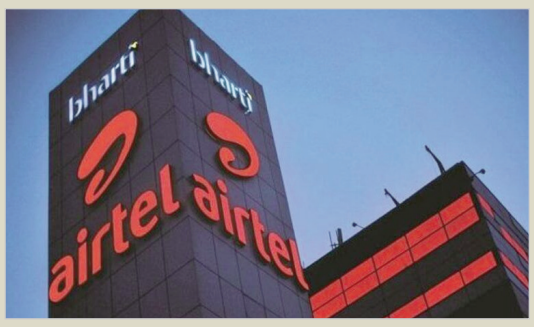

भारती एयरटेल में एक अरब डॉलर का निवेश करेगी गूगल

नई दिल्ली। इंटरनेट के क्षेत्र की प्रमुख कंपनी गूगल दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल में एक अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसमें इक्विटी निवेश के साथ-साथ संभावित वाणिज्यिक समझौतों के लिए एक कोष शामिल है, जिसके तहत समझौतों को अगले पांच वर्षों के दौरान पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर मंजूरी दी जाएगी। गूगल यह निवेश गूगल फॉर इंडिया डिजिटाइजेशन फंड के हिस्से के तौर पर कर रही है। एयरटेल ने एक बयान में कहा कि इसमें 70 करोड़ डॉलर का इक्विटी निवेश भारती एयरटेल में 734 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर किया जाएगा। इसमें बताया गया कि कुल निवेश में से 30 करोड़ डॉलर की राशि वाणिज्यिक समझौतों के क्रियान्वयन के लिए होगी।

मप्र में 1.10 लाख व्यापारियों के जीएसटी पंजीएन निरस्त कर सकती है सरकार

भोपाल । जीएसटी विभाग के नए नियम के मुतो बिक कारोबार ज्यादा कर मुनाफा कम बताकर टैक्स का भुगतान कम करने वाले मप्र के 1.10 लाख व्यापारियों के जीएसटीएन पंजीयन कभी भी निरस्त हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि इनमें भोपाल के 20 हजार व्यापारी शो मिल हैं। सरकार द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया है कि व्यापारी के हर कारोबार के रिटर्न (जीएसटीआर-1) और चुकाए गए टैक्स के रिटर्न (जीएसटीआर-3बी) में 10 प्रे तिशत से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए। व्यापारी पर 1 लाख रुपए का टैक्स बनता है तो उसे कम से कम 90 हजार रुपए का टैक्स उसी माह जमा कराना होगा। शेष 10 प्रे तिशत राशि की ही वह टैक्स क्रेडिट ले सकता है। अगर अंतर इससे अधिक होता है तो उनके जीएसटी पंजीयन कभी भी निरस्त किए जा सकते हैं। विभागीय नोटिफिकेशन के अनुसार सरकार ने अभी सभी व्यापारियों को 2020-21 में रिटर्न भरे गए रिटर्न संशोधित करने को कहा है। यानी 31 मार्च तक जिन व्यापारियों के रिटर्न में यह अंतर 10 फीसदी से अधिक है। वे अपने डीआरसी-3 भरकर अतिरिक्त टैक्स जमा करा सकते हैं। मप्र के जीएसटी विभाग ने 10 प्रतिशत से ज्यादा टैक्स न भरने वाले 1.10 लाख व्यापारियों की पहचान की है। इन सभी की जानकारी जीएसटीएन के पोर्टल में डाल दी गई है। व्यापारी खुद अपने टैक्स डिफरेंस की गणना करके उसे चुका सकता है। जीएसटी विभाग ने जारी नोटिस में साफ कर दिया है कि मासिक कारोबार के रिटर्न जीएसटीआर-1 के आधार पर जो टैक्स देनदारी बनती है, उसका कम से कम 90 प्रतिशत टैक्स जीएसटीआर-3बी में जमा कराना अनिवार्य है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था मंदी से उबरी

वाशिंगटन । बीते साल अमेरिकी अर्थव्यवस्था मंदी के बाद सबसे तेजी से बढ़ी है। कोरोना वायरस की वजह से 2020 में अर्थव्यवस्था मंदी की गिरफ्त में आ गई थी। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार बीते साल अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत रही। यह इससे पिछली मंदी के बाद 1984 में दर्ज 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के बाद सबसे अधिक है। रोनाल्ड रीगन के कार्यकाल के बाद यह सबसे तीव्र वृद्धि दर है। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 के मामले अब भी आ रहे हैं लेकिन इसके बावजूद इस साल अर्थव्यवस्था आगे बढ़ना जारी रखेगी। हालांकि इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी होगी। कई अर्थशास्त्रियों ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को कम किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का अनुमान है कि 2022 में अमेरिका की वृद्धि दर घटकर चार प्रतिशत पर आ जाएगी।

ट्राई का दूरसंचार कंपनियों को 30 दिन का रिचार्ज प्लान पेश करने के निर्देश

नई दिल्ली ।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि दूरसंचार ऑपरेटरों को प्रीपेड ग्राहकों के लिए 30 दिनों की वैधता वाले रिचार्ज प्लान पेश करने होंगे। इस कदम से ग्राहक द्वारा एक साल में किए गए रिचार्ज की संख्या में कमी आने की उम्मीद है। इस समय दूरसंचार कंपनियां प्रीपेड खंड में 28 दिनों की वैधता वाले रिचार्ज प्लान देती हैं, जिससे ग्राहकों को एक साल में 13 रिचार्ज करने पड़ते हैं। ट्राई ने एक अधिसूचना में कहा कि प्रत्येक दूरसंचार सेवाप्रदाता 30 दिनों की वैधता वाले कम से कम एक प्लान वाउचर, एक विशेष टैरिफ वाउचर और एक कॉम्बो वाउचर की पेशकश करेगा। दूरसंचार कंपनियों को इस आदेश का अनुपालन अधिसूचना की तारीख से 60 दिन के भीतर करना होगा।

बजट-2022: आभूषण निर्माताओं की वित्त मंत्री से सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी को घटाने की मांग

नई दिल्ली।

देश के आभूषण निर्माताओं के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण बजट में सोने की चमक बढ़ाने का प्रयास कर सकती हैं। ज्वेलर्स ने अपनी मांग से वित्तमंत्री को अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि बजट में सीतारमण सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी को घटाने का ऐलान कर सकती हैं। अभी गोल्ड पर इंपोर्ट ड्यूटी 7.5 फीसदी है। इसे घटाकर 4 फीसदी करना ठीक रहेगा। ज्वैलर्स का कहना है कि इससे गोल्ड की स्मगलिंग में कमी आएगी। उन्होंने कहा है कि चीन, अमेरिका और सिंगापुर जैसे देशों ने डोमेस्टिक मार्केट को मजबूत बनाने के इंपोर्ट ड्यूटी को हटाया है। इंडिया में गोल्ड पर इंपोर्ट ड्यूटी ज्यादा होने से इसकी स्मगलिंग को बढ़ावा मिलता है।

इंपोर्ट ड्यूटी के चलते सोने की कीमत बढ़ जाती है। इससे कम पैसे वाले लोगों के लिए सोना खरीदना मुश्किल हो जाता है। सोने पर जीएसटी की दर को भी तर्कसंगत बनाया जा सकता है। अभी गोल्ड पर 3 फीसदी जीएसटी लगता है। इसके अलावा सोना खरीदने के लिए पैन कार्ड की अनिवार्यता के नियम में भी बदलाव किया जाना चाहिए। 5 लाख रुपए से ज्यादा गोल्ड खरीदने पर पैन कार्ड को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। सोने को इन्वेस्टमेंट का सबसे सुरक्षित माध्यम माना जाता है। देश में सोने में निवेश की परंपरा रही है। इसके अलावा शादी-ब्याह में भी गोल्ड ज्वैलरी का काफी इस्तेमाल होता है। इसलिए अगर सरकार इस पर इंपोर्ट ड्यूटी हटाती है और टैक्स के नियमों को आसान बनाती है तो इससे देश में गोल्ड की मांग बढ़ेगी।

पिछले साल बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गोल्ड पर इंपोर्ट ड्यूटी को 12.5 फीसदी से घटाकर 7. फीसदी कर दिया था। गोल्ड इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया गया था। सरकार को सोने पर कैपिटल गेंस के नियम में भी बदलाव करने की जरूरत है। अभी सोने को 3 साल से ज्यादा वक्त तक रखने पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स के नियम लागू होते हैं। 3 साल से ज्यादा अवधि के बाद बेचने पर 20 फीसदी टैक्स (इंडेक्सेशन बेनेफिट के साथ) लगता है। उधर, शेयरों को एक साल से ज्यादा अवधि तक रखने पर सिर्फ 10 फीसदी टैक्स लगता है। इस तरह सोने का होल्डिंग पीरियड और इस पर लगने वाला टैक्स इक्विटी के मुकाबले ज्यादा है। इस फर्क को दूर करने की जरूरत है।

अंतिम घंटे में भारी बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी की तेजी पर लगा विराम

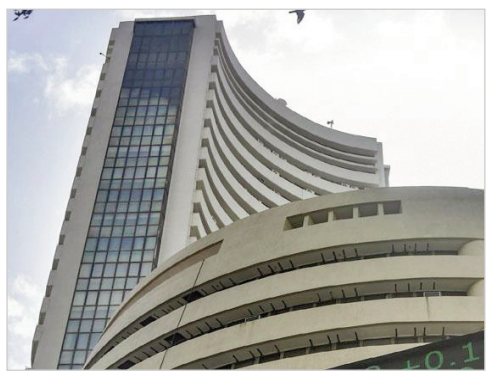

मुंबई:

बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स शुक्रवार को अंतिम घंटे में हुई भारी बिकवाली से सुबह के सत्र में हासिल ऊंचाई से करीब 900 अंक का गोता लगाते हुए 77 अंक गिरकर 57,200 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस की शुरुआत काफी सकारात्मक हुई और तीस शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में 58,000 के स्तर से भी ऊपर चला गया लेकिन अंतिम घंटों में बैंकिंग एवं वाहन कंपनियों के शेयरों में हुई भारी बिकवाली ने इस पूरे लाभ को गंवा दिया और आखिर में बाजार 76.71 अंक यानी 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 57,200.23 अंक पर बंद हुआ। एनएसई के निफ्टी का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कारोबार के दौरान निफ्टी भी शुरू में बढ़त लेने के बाद अंत में गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी 8.20 अंक यानी 0.05 फीसदी के नुकसान के साथ 17,101.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की गिरावट के पीछे मारुति सुजूकी, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई का हाथ रहा। इन शेयरों ने करीब तीन फीसदी तक का नुकसान झेला। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रमुख विनोद नायर ने कहा, पिछले दिवस के कमजोर स्तर पर बंद होने वाले बाजार की शुरुआत मजबूत स्तर पर हुई लेकिन जल्द ही घरेलू बाजार कमजोर यूरोपीय रुझानों से प्रभावित होकर बिकवाली के दबाव में आ गए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत सख्ती बरतने और यूक्रेन में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक धारणा को प्रभावित किया। नायर ने कहा कि इस सप्ताह में देखी गई भारी बिकवाली के बाद आईटी, रियल्टी और मिडकैप एवं स्मालकैप का प्रदर्शन सुधरा है। एशिया के अन्य बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जापान एवं कोरिया के बाजार नकारात्मक स्तर पर बंद हुए। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.42 फीसदी की बढ़त के साथ 89.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहा। शेयर बाजार से मिली सूचना के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) बिकवाल बने हुए हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को 6,266.75 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री की।

तीसरी तिमाही में सेंट्रल बैंक ने लगाई छलांग, 69 फीसदी अधिक शुद्ध लाभ कमाया

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का दिसंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बेहतर प्रदर्शन करते हुए शुद्ध लाभ 69 फीसदी की वृद्धि के साथ 279 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बैंक ने एक साल पहले इसी अवधि में 165 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि अक्टूबर-दिसंबर, 2021 के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 6,666.45 करोड़ रुपये हो गई। ब्याज से होने वाली शुद्ध आय भी बढ़कर 2,746 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इस अवधि में 2,228 करोड़ रुपये थी। इसमें बताया गया कि दिसंबर में खत्म तिमाही में बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 15.16 फीसदी घट गई।

डॉल्बी ऑडियो और शानदार डिस्प्ले के साथ वीयू प्रीमियम टीवी लांच

नई दिल्ली ।

पॉप्युलर ऑनलाइन स्मार्ट टीवी ब्रैंड वीयू ने भारतीय बाजार में 32 इंच का एक स्मार्ट टीवी लॉन्च किया है। कंपनी के इस टीवी का नाम वीयू प्री मियम टीवी है। टीवी की कीमत 12,999 रुपए है और इसकी सेल 1 फरवरी से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी। टीवी की खरीद पर आपको 10 फीसदी का डिस्काउंट भी मिल सकता है, लेकिन इसके लिए आपको ऐक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करना होगा। टीवी में कंपनी 1366×768 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 32 इंच का एचडी+ एलईडी डिस्प्ले ऑफर कर रही है। 300 निट्स की ब्राइटनेस के साथ आने वाले इस टीवी में सिनेमैटिक डे और नाइट जैसे प्रीसेट मोड भी दिए गए हैं। कंपनी का यह लेटेस्ट टीवी बेजल-लेस डिजाइन के साथ आता है। दमदार साउंड के लिए कंपनी इस टीवी में डॉल्बी-ऑडियो और डीटीएस टेक्नॉलजी के साथ 20 वॉट के स्पीकर्स ऑफर कर रही है। वीयू प्रीमियम टीवी एक जीबी रैम

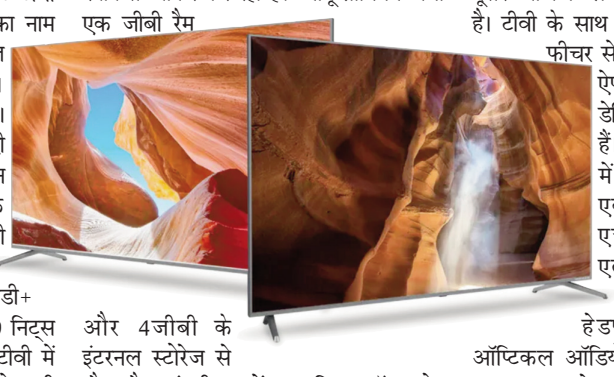

और 4जीबी के इंटरनल स्टोरेज से लैस है। कंपनी इसमें 64-बिट क्वॉड-कोर चिपसेट ऑफर कर रही है। यह टीवी लिनूएक्स स्मार्ट ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। टीवी में कंपनी नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, इरॉज नाउ और यूट्यूब के साथ दूसरे ओटीटी प्लैटफॉर्म्स का भी सपोर्ट दे रही है। टीवी के साथ मिलने वाले रिमोट आईआर फीचर से लैस है और इसके ओटीटी ऐप्स को ऐक्सेस करने के लिए डेडिकेटेड बटन्स भी दिए गए हैं। कनेक्टिविटी के लिए टीवी में आपको दो यूएसबी पोर्ट, एक एवी पोर्ट, दो एचडीएमआई स्लॉट, एक एलएएन पोर्ट, डिजिटल ऑडियो आउटपुट, एक हेडफोन जैक और एक ऑप्टिकल ऑडियो आउटपुट मिलेगा। इसके अलावा वायरलेस कनेक्टिविटी के लिए टीवी में वाई-फाई भी दिया गया है।

भारत, दक्षिण अफ्रीका का द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर के पार

जोहानिसबर्ग ।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आपसी व्यापार 10 अरब डॉलर को पार हो गया है। दोनों देशों के नेताओं ने लक्ष्य रखा था। महावाणिज्य दूत अंजू रंजन ने कहा,भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच व्यापार निर्धारित लक्ष्य को पार कर गया है। हमने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया और अब यह 10 अरब डॉलर से ऊपर 11.6 अरब डॉलर पहुंच गया है।रंजन ने कहा कि दोनों देशों में कोरोना की पाबंदियों के बावजूद लक्ष्य हासिल किया है। उन्होंने कहा, कभी भारत में तो कभी दक्षिण अफ्रीका में, पाबंदियों को लेकर चुनौतियां थी। हम 'लॉकडाउन' की चुनौतियों के बावजूद कई वाणिज्यिक गतिविधियों का आयोजन करने में सक्षम रहे। हम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिये इस अवधि के दौरान सिरेमिक, दूरसंचार, कृषि, छपाई और वस्त्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कई 'ऑनलाइन' प्रदर्शनियां और खरीदार-विक्रेता बैठकें आयोजित करने में सफल रहे।'' रंजन ने कहा, महामारी के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में सुधार एक सकारात्मक कदम है। हमें उम्मीद है कि आने वाले महीनों में यह और बेहतर होगा...।'' उच्चायुक्त जयदीप सरकार ने अपने संबोधन में दक्षिण अफ्रीका के आर्थिक विकास में योगदान दे रही भारतीय कंपनियों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''...दक्षिण अफ्रीका में 150 से अधिक भारतीय कंपनियों ने 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

पीएनबी का मुनाफा 1,126.78 करोड़ रहा

नई दिल्ली)।

सार्वजनिक क्षेत्र में देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक पीएनबी ने इस साल दिसंबर की तिमाही में शानदार मुनाफा कमाया है। इस दौरान बैंक के मुनाफे में 123 फीसदी का उछाल आया है। बैंक से मिली जानकारी के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर 2021 की तिमाही में उसका मुनाफा उछलकर 1,126.78 करोड़ रुपए रहा। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में बैंक ने 506.03 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। पीएनबी के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर 2021 की तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटी है। इस दौरान यह घट कर 22,026.02 करोड़ रुपए रह गई। इससे एक साल पहले की इसी अवधि में पीएनबी की कुल आमदनी 23,298.53 करोड़ रुपए रही थी। बैंक ने बताया कि बीते दिसंबर की तिमाही में उसका नेट इंटरेस्ट इनकम 6.5 फीसदी घटकर 7,803.2 करोड़ रुपए रहा है। यह एक साल पहले की इसी तिमाही में 8,313.2 करोड़ रुपए था। गुरुवार को एनएसई पर पीएनबी के शेयर 4.44 फीसदी की तेजी के साथ 41.15 रुपए के भाव पर बंद हुए। जनवरी महीने में अभी तक पीएनबी के शेयर करीब 8.29 फीसदी बढ़ चुके हैं, जबकि पिछले एक साल में इसने अपने निवेशकों को करीब 26.42 फीसदा का रिटर्न दिया है।

भारत की सोने की खपत में इजाफा, 2021 में मांग बढ़कर 797.3 टन पर पहुंची

मुंबई ।

सोने की चाह विपरीत परिस्थितियों में भी लगातार बढ़ती रहती है। उपभोक्ता धारणा में सुधार और कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों के बाद मांग में तेजी आने से भारत में सोने की खपत 2021 में बढ़कर 797.3 टन हो गई और इस वर्ष भी तेजी का रुख जारी रहने का अनुमान है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने 'स्वर्ण मांग रूझान 2021' रिपोर्ट में कहा कि 2021 में स्वर्ण की मांग 78.6 फीसदी की वृद्धि के साथ 797.3 टन हो गई जो 2020 में 446.4 टन थी। डब्ल्यूजीसी में क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सोमसुंदरम पीआर ने कहा, 'वर्ष 2021 ने सोने के बारे में पारंपरिक सोच की ताकत को फिर से प्रमाणित किया है और पुनरुद्धार में कई सबक दिए जो आने वाले वर्षों के लिए नीतिगत सोच को आकार देंगे।' उन्होंने कहा, 'भारत की स्वर्ण मांग 79 प्रतिशत बढ़कर 797.3 टन हो गई, जो मुख्य रूप से चौथी तिमाही की 343 टन की असाधारण मांग का परिणाम है। यह मांग तीसरी तिमाही में व्यक्त किए गए हमारे अनुमान से भी आगे निकल गई और सबसे अच्छी तिमाही साबित हुई।' वर्ष-2022 के लिए सोमसुंदरम ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य यदि जारी रहता है और कोई विशेष व्यवधान नहीं आता है तो स्वर्ण की मांग करीब 800-850 टन रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सोने के आभूषणों की मांग पिछले वर्ष के मुकाबले 2021 में दोगुनी हो गई और महामारी से पहले के स्तर को भी लांघ कर छह वर्ष के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। चौथी तिमाही में 265 टन की रिकॉर्ड मांग रही। मूल्य के आधार पर देखें तो आभूषणों की मांग 96 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,61,140 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। 2020 में यह 1,33,260 करोड़ रुपये थी। कुल निवेश मांग 2021 में 43 फीसदी बढ़कर 186.5 टन हो गई। मूल्य के लिहाज से मांग 45 फीसदी की वृद्धि के साथ 79,720 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि देश में कुल स्वर्ण पुनर्चक्रण 21 फीसदी घटकर 75.2 टन रह गया।

Sports

मेगा नीलामी से पहले चेन्नई पहुंचे धोनी

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से पहले चेन्नई पहुंच गये हैं। माना जा रहा है कि धोनी अगले माह होने वाली नीलामी के लिए टीम की रणनीति बनायेंगे। सीएसके ने इस 15वें सत्र के लिए धोनी के अलावा रविंद्र जडेजा, रुतुराज गायकवाड़ और मोइन अली सहित चार खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। जडेजा को 16 करोड़ रुपये में बरकरार रखा है जबकि धोनी को 12 करोड़ रुपये ही मिलेंगे। वहीं मोइन को 8 करोड़ रुपये जबकि गायकवाड़ को 6 करोड़ रुपये में टीम के साथ बनाये रखा है। गौरतलब है कि सीएसके के पास एक अच्छी टीम बनाने के लिए मेगा नीलामी में 58 करोड़ रुपये रहेंगे। धोनी ने पिछले सत्र में आईपीएल नीलामी को लेकर कहा था कि उसे एक ऐसी टीम बनानी है जो कम से कम अगले 5-10 साल तक खेले। उन्होंने कहा था, यह मेरे बारे में सीएसके के लिए खेलने के बारे में नहीं है, यह सीएसके के लिए सबसे अच्छा है कि कौन उसके लिए लंबे समय तक खेल सकता है।

मुम्बई में ही खेले जाएंगे आईपीएल के सभी मुकाबले

20 फरवरी को औपचारिक घोषणा करेगी बीसीसीआई

मुम्बई ।

कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें सत्र के सभी मुकाबले मुंबई में खेले जा सकते हैं। बीसीसीआई पदाधिकारियों की इस मामले में हुई एक बैठक में सभी का मानना है कि आयोजन पूरी तरह मुंबई में ही कराना सही रहेगा। इसके पीछे यह तर्क दिया गया है कि मुंबई में संक्रमण के मामले तेजी से घटे हैं। वहीं इससे पहले हुई बैठक में बीसीसीआई ने आईपीएल 2022 को दक्षिण अफ्रीका में भी आयोजित करने का विकल्प खुला रख था। टूर्नामेंट के आयोजन स्थल की अंतिम औपचारिक घोषणा 20 फरवरी को की जा सकती है। बीसीसीआई पदाधिकारियों के अनुसार कोरोना की तीसरी लहर का पीक कई शहरों में आ चुका है और अब संक्रमण की रफ्तार कम होने लगी है। ऐसे में विदेश में टूर्नामेंट कराने की जरुरत नहीं है। अभी मुंबई के तीन स्टेडियमों वानखेड़े, ब्रेबोर्न और नवी मुंबई के डीवाय पाटिल स्टेडियम को आईपीएल 2022 के लिए नामांकित किया गया है। वहीं अगर जरूरत पड़ी तो पुणे को भी मैच स्थल बनाया जा सकता है।

बीसीसीआई के अनुसार मुंबई और उसके आसपास आईपीएल 2022 कराने का एक लाभ यह होगा कि टीमों को हवाई यात्रा नहीं करनी होगी। इससे बायो-बबल के अंदर कोरोना संक्रमण होने की आशंका नहीं है। वहीं अभ्यास के लिए बांद्रा कुर्ला स्टेडियम का इस्तेमाल किया जा सकता है। मुंबई के जिन 3 स्थलों को आईपीएल 2022 (आईपीएल 2022) के लिए नामांकित किया गया है। इसमें बायो-बबल को मेंटेन

करना आसान है क्योंकि इन स्टेडियम के आस-पास कई पांच सितारा होटल हैं। ऐसे में खिलाड़ियों की आवाजाही एक निश्चित सीमा में ही होगी। इससे पहले, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी कहा था कि बीसीसीआई की पूरी कोशिश होगी कि आईपीएल का आयोजन भारत में ही हो।

एक फरवरी तक अहमदाबाद पहुंचेंगे टीम इंडिया के खिलाड़ी

तीन दिनों तक क्वारंटीन में रहेंगे

मुम्बई ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 फरवरी से होने वाली एकदिवसीय सीरीज को देखते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को एक फरवरी तक अहमदाबाद पहुंचना होगा। बीसीसीआई ने इस सीरीज के लिए चयनित सभी खिलाड़ियों को तय समय के अंदर आने के निर्देश दिये हैं। यहां पहुंचने के बाद कप्तान रोहित शर्मा सहित टीम के सभी खिलाड़ियों का तीन दिन के लिए होटल में ही (क्वारंटीन) पृथकवास में रहना होगा। इसी दौरान खिलाड़ियों की कोरोना जांच भी की जाएगी। क्वारंटीन की अवधि पूरी करने के बाद ही खिलाड़ी अभ्यास शुरू करेंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के सभी मुकाबले कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए अहमदाबाद में ही खेले जाएंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनुसार खिलाड़ियों के अलावा सहयोगी स्टाफ के सदस्य और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भी कोरोना प्रोटोकॉल के तहत तीन दिनों के लिए पृथकवास में रहना होगा। इसके बाद सभी की कोरोना जांच होगी। वनडे सीरीज के लिए एक शिविर लगेगा। इस बार भी खिलाड़ियों को चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए अहमदाबाद पहुंचाया जाएगा।

इस सीरीज से रोहित पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपनी पारी शुरु करेंगे। यह 2022 में टीम इंडिया की पहली घरेलू सीरीज है। रोहित को दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था पर वह फिट नहीं होने के कारण दौरे पर नहीं जा पाये थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए **भारतीय टीम:** रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव , वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान।

म्लादेनोविच और डोडिच ने जीता ऑस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल खिताब

मेलबर्न ।

फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और क्रोएशिया के इवान डोडिच ने ऑस्ट्रेलिया के जैमी फोरलिस और जासन कुबलेर को 6.3, 6.4 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल खिताब जीत लिया। म्लादेनोविच ने 2014 में डेनियल नेस्टर के साथ यह खिताब जीता था। इसके अलावा 2018 और 2020 में यहां महिला युगल खिताब भी अपने नाम किया। डोडिच ने इससे पहले दो पुरूष युगल और तीन मिश्रित युगल खिताब जीते हैं।

महिला विश्व कप क्रिकेट तय समय पर ही होगा : आंद्रिया

दुबई ।

कोरोना संक्रमण के बाद भी महिला विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन न्यूजीलैंड में तय समय पर ही होगा। आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आंद्रिया नेल्सन ने कहा है कि मेजबान देश न्यूजीलैंड में कोरोना संक्रमण के बाद भी कार्यक्रम या स्थलों में किसी प्रकार का कोई भी बदलाव नहीं किया गया है। मेजबान देश ने जो बदलाव पिछले दिनो किये थे वह घरेलू टूर्नामेंटों को लेकर थे उनका विश्व कप से कोई संबंध नहीं है।

महिला विश्व कप का आयोजन 4 मार्च से न्यूजीलैंड में होगा इसमें टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में मेजबान कीवी टीम का मुकाबला वेस्टइंडीज से होगा। गौरतलब है कि हाल के दिनों में जिस प्रकार न्यूजीलैंड में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी आई और उसके कारण कई पाबंदियां लगाई गई। उससे यह माना जा रहा था कि कार्यक्रम में बदलाव होगा। नेल्सन ने कहा, 'हम यहां पिछले कुछ समय से 2022 में विश्व कप की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं जिसे पहले 2021 में कराया जाना था। हम तकय समय के अनुसार ही चल रहे हैं और तौरंगा में शुरूआती मैच से 35 दिन और

क्राइस्टचर्च में हेगले ओवल में फाइनल से 66 दिन दूर हैं।'

उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट का कार्यक्रम और मैच स्थल वही हैं जो पहले घोषित किये गये थे।' उन्होंने कहा, 'हम जैव सुरक्षित माहौल के बारे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं पर टूर्नामेंट योजनानुसार पूरे देश में ही आयोजित होगा।' सभी मैच छह स्थलों तौरंगा, डुनेडिन, हैमिल्टन, वेलिंगटन, ऑकलैंड और क्राइस्टचर्च में ही खेले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

पीटरसन ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पत्र को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा करते हुए हिंदी में प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया है। पीटरसन ने लिखा, आदरणीय मोदी जी, मुझे लिखे गए खत में अविश्वसनीय रूप से जिस तरह की भावना आपने जताई है, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। 2003 में भारत में कदम रखने के बाद से मुझे हर यात्रा पर आपके देश से और प्यार हो गया था। भारत में वन्यजीवों की रक्षा के लिए आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उसके लिए आपको धन्यवाद देने के लिए व्यक्तिगत रूप से मिलने का और इंतजार नहीं कर सकता हूं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुछ विशेष लोगों को धन्यवाद देने के लिए उन्हें पत्र लिखे थे। प्रधानमंत्री ने भारत से लगाव रखने वाले क्रिकेटरों क्रिस गेल, जोंटी रोड्स सहित पीटरसन को भी पत्र लिखा था। मोदी ने पीटरसन को पत्र लिखकर भारत के प्रति प्रेम और सम्मान जताने के लिए धन्यवाद अदा किया था। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में पीटरसन के लिए लिखा , क्रिकेट मैदान पर आपने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो अब भी हमारे दिगाम में ताजा है। आपका भारत और यहां के लोगों के साथ जो जुड़ाव है, वो वाकई शानदार है। मैं आपके हिंदी में किए ट्वीट का काफी आनंद उठाता हूं। एक बार फिर आपको गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देता हूं और भविष्य में आपसे मुलाकात का इंतजार रहेगा। गौरतलब है कि अभी पीटसरन मस्कट में खेली जा रही लीजेंड्स लीग क्रिकेट में भाग ले रहे हैं। वो इस टूर्नामेंट में विश्व जायंट्स टीम की ओर से खेल रहे हैं।

स्लोवेनिया का 'स्नोबोर्डर' बीजिंग में कोविड-19 जांच में पॉजिटिव

बीजिंग । स्लोवेनिया का एक 'स्नोबोर्डर' शीतकालीन ओलंपिक के लिये बीजिंग पहुंचने के बाद कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव आया है। स्लोवेनिया की ओलंपिक समिति ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अगले शुक्रवार को शीतकालीन खेलों के उद्घाटन समारोह के लिये जान कोसिर को स्लोवेनिया का ध्वजवाहक चुना गया था, उन्हें कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है। दूसरी जांच में उनके पॉजिटिव आने की पुष्टि हुई और अब वह पृथकवास में है। उन्हें कोई लक्षण नहीं हैं। स्लोवेनियाई टीम ने कहा- डुओलंपिक टीम प्रबंधन ने आयोजकों के दिशानिर्देशों का पालन किया और एथलीट अब पृथकवास में है। कोसिर स्लोवेनिया के सबसे सफल शीतकालीन ओलंपियन हैं। उनके अलावा स्की टीम का एक स्टाफ सदस्य भी पॉजिटिव आया है।

रिकॉर्ड 21वें ग्रैंडस्लैम से एक जीत दूर नडाल, ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल में पहुंचे

मेलबर्न।

राफेल नडाल ने पुरूष टेनिस में रिकॉर्ड 21वें एकल ग्रैंडस्लैम खिताब की ओर कदम बढाते हुए मात्तेओ बेरेत्तिनी को 6.3, 6.2, 3.6, 6.3 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल में प्रवेश कर लिया। नडाल ने पहले दोनों सेटों में दबदबा बनाए रखा और इतालवी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट के चारों ओर घुमाया। दूसरे सेट में उन्होंने 4.0 की बढ़त बना ली और सातवीं वरीयता प्राप्त बेरेत्तिनी 11 प्रयासों में सिर्फ एक बार अपनी दूसरी सर्विस पर अंक बना सके। भारी बारिश के कारण रॉड लावेर एरेना की छत बंद कर दी गई जिससे भीतर काफी उमस हो गई थी। ऐसे में गेंद भारी और सपाट हो गई थी। पहले दो सेट में सभी लंबी रेलियां छठी वरीयता प्राप्त स्पेनिश धुरंधर नडाल के पक्ष में गई। तीसरे सेट में बेरेत्तिनी ने वापसी की और आठवें गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बनाकर दूसरे को भुनाया और 5.3 की बढ़त बना ली। उन्होंने अगले गेम में सर्विस बरकरार रखते हुए लगातार चार अंकों के साथ मैच को चौथे सेट में खिंचा।

चौथे सेट के आठवें गेम में नडाल ने उनकी सर्विस फिर तोड़ी और मैच अपने नाम कर लिया। नडाल ने रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के समान 20 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं। अब उनका सामना दानिल मेदवेदेव और स्टेफानोस सिटसिपास के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में कमेंट्री नहीं करेंगे शास्त्री

मुम्बई । वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली घरेलू एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए कमेंट्री पैनल में भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री को शामिल नहीं किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फरवरी में होने वाली तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज के लिए जिन सात कमेंटेटरों का नाम घोषित किया है। उसमें शास्त्री शामिल नहीं है। इस पैनल में पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर, अजित अगरकर, हर्षा भोगले, मुरली कार्तिक, दीप दासगुप्ता और लक्ष्मण शिवारामाकृष्णन के अलावा वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप का नाम भी शामिल है। वहीं शास्त्री श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी कमेंट्री नहीं करेंगे। यह भी कहा गया है कि शास्त्री आईपीएल 2022 तक कमेंट्री पैनल से दूर रहेंगे। वह अभी लीजेंड्स लीग क्रिकेट के साथ ही अन्य कामों में व्यस्त हैं। इसलिए अभी कमेंट्री नहीं करेंगे। वहीं इससे पहले माना जा रहा था कि कोच का कार्यकाल समाप्त होने के बाद ही शास्त्री कमेंट्री शुरु कर देंगे पर ऐसा हुआ नहीं। शास्त्री अभी मस्कट में लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर के तौर पर काम कर रहे हैं। वो लंबे वक्त तक कमेंट्री करते रहे हैं. उन्होंने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में हुए टी20 विश्व कप के फाइनल में भी कमेंट्री की थी।

बुमराह को कप्तान बनाये जाने के बारे में नहीं सोचा - शास्त्री

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि उन्होंने कभी भी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कोच बनाने के बारे में कभी नहीं सोचा। विराट कोहली के टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफे के बाद से ही रोहित शर्मा कप्तानी के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। रोहित के अलावा आर अश्विन , ऋषभ पंत और लोकेश राहुल के अलावा बुमराह भी एक दावेदार के तौर पर सामने आये हैं। इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रहे शास्त्री ने कहा है कि उन्होंने कभी भी बुमराह को कप्तान बनाये जाने के बारे में नहीं सोचा। शास्त्री ने कहा कि बुमराह को कप्तान दिए जाने के बारे में मैंने कभी नहीं सोचा क्योंकि मुझे लगता है कि भारतीय टीम में ऐसे बहुत से खिलाड़ी हैं जो टेस्ट टीम की कमान संभाल सकते हैं पर भारत में एक तेज गेंदबाज को टेस्ट टीम का कप्तान बनना बहुत कठिन है। एक तेज गेंदबाज को ऑलराउंडर की तरह होना चाहिए जिससे वह किसी भी हालात में खेले और आक्रामक बना रहे। शास्त्री ने यह भी कहा कि उसे मैच जिताने के साथ ही विकेट भी लेने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि एक तेज गेंदबाज ज्यादा दिनों तक तभी कप्तानी कर पाया है जब वह कपिल देव, इमरान खान या फिर महान सर गारफील्ड सोबर्स जैसा ऑलराउंडर हो।

सचिन को उम्मीद , रोहित और द्रविड़ की जोड़ी विश्वकप जिताएगी

मुम्बई।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि आने वाले समय में भारतीय टीम को कप्तान ओर कोच की यह जोड़ी विश्व कप जरुर जिताएगी। भारतीय टीम ने अब तक दो बार विश्वकप जीता हैं , पहले कपिल देव की कप्तानी में साल 1983 और उसके बाद महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में साल 2011 में उसके बाद से ही भारतीय टीम किसी भी प्रारुप में विश्व कप नहीं जीत पायी है। सचिन के अनुसार अन्य लोगों की तरह वह भी चाहते हैं कि बीसीसीआई में एक बार फिर विश्व कप ट्रॉफी नजर आये।

तेंदुलकर ने कहा, 'अप्रैल में हमें विश्व कप जीते 11 साल हो जाएंगे। यह एक लंबा इंतजार है। हर कोई, मेरे सहित, यही चाहता है कि बीसीसीआई के दफ्तर में यह शानदार ट्रॉफी हो।' सचिन ने कहा, ' विश्वकप वह ट्रॉफी है जिसके लिए हर क्रिकेटर खेलता है। इससे बड़ा और कुछ नहीं हो सकता, फिर यह छोटा फॉर्मेट हो या फिर बड़ा फॉर्मेट, विश्वकप हमेशा ही विशेष होता है।' तेंदुलकर ने रोहित और द्रविड़ की जोड़ी पर पूरा भरोसा जताया है। इससे पहले भारतीय टीम की कप्तानी विराट कोहली और मुख्य कोच की जिम्मेदारी रवि शास्त्री के पास थी। तेंदुलकर ने कहा कि रोहित और द्रविड़ के पास हर प्रकार की योग्यता है जिसके बल पर वह विश्व कप हासिल कर सकते हैं। साथ ही कहा कि इस प्रकार प्रयास के दौरान इन लोगों को उम्मीद नहीं छोड़ने के साथ ही हौंसला बनाये रखना होगा।

सचिन ने कहा, 'रोहित और द्रविड़ दोनों की जोड़ी शानदार है। मैं जानता हूं कि वे दोनों अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और सर्वश्रेष्ठ तैयारी करेंगे और साथ ही जब इतने सारे लोग आपका समर्थन कर रहे हों तो आपको और क्या चाहिए। आखिर यही तो सही समय पर साथ मिलने का फायदा होता है।'

मनप्रीत की कप्तानी में एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों में उतरेगी भारतीय टीम

युवा जुगराज और अभिषेक पहली बार शामिल

नई दिल्ली । मनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम दक्षिण अफ्रीका में मेजबान टीम और फ्रांस के खिलाफ होने वाले एफआईएच (प्रो) पेशेवर लीग मुकाबलों में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने 20 सदस्यीय इस सीनियर पुरुष हॉकी टीम में दो नये खिलाड़ियों जुगराज सिंह और अभिषेक को भी शामिल किया है। एफआईएच प्रो लीग मुकाबले दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में 8 से 13 फरवरी के बीच होंगे। इन मुकाबलों में जहां मनप्रीत

कप्तानी करेंगे, वहीं हरमनप्रीत सिंह उपकप्तानी संभालेंगे। भारतीय टीम चार फरवरी को बेंगलुरू से दक्षिण अफ्रीका की ओर रवाना होगी। टीम को 8 फरवरी को पहले मैच में फ्रांस से खेलना है जबकि इसके बाद उसका मुकाबला मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम से होंगा। टीम 12 फरवरी को एक बार फिर फ्रांस का सामना करेगी जबकि अगले दिन मेजबान टीम का सामना करेगा। ये सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार रात साढ़े नौ बजे से खेले जाएंगे। टीम में युवा ड्रैग फ्लिकर जुगराज और फारवर्ड अभिषेक को पहली बार अवसर दिया गया है। जुगराज ने अंतर विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि आगामी वर्ष बेहद व्यस्त और अहम है और उसे देखते हुए भारतीय टीम विश्व मंच पर वापसी और एफआईएच हॉकी प्रो लीग के ताजा सत्र में हिस्सा लेने को लेकर उत्साहित है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिबानी संग शादी की न्यूज पर बोले फरहान

बीते कुछ दिनों से बॉलीवुड अभिनेता- निर्देशक फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की शादी को लेकर खबरों का बाजार गर्म है। हाल ही में कई ऐसी खबरें सामने आई, जहां फरहान- शिबानी की शादी की कई जानकारियां बताई गईं। इस बीच हाल ही में फरहान अख्तर एयरपोर्ट पर नजर आए। इस दौरान फरहान ने शादी को लेकर बड़े ही मजेदार अंदाज में अपनी बात रखी। फरहान के इस वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो में फरहान ने शादी को लेकर हां नहीं कहा, लेकिन न भी नहीं कहा।

-शादी पर क्या बोले फरहान?

दरअसल हाल ही में फरहान अख्तर एयरपोर्ट पर नजर आए। इस दौरान पैपराजी ने फरहान को कांग्रेचुलेशन कहा, जिस पर फरहान ने थैंक्यू कहा। इसके बाद फरहान ने पूछा- किस बात के लिए कांग्रेचुलेशन? एयरपोर्ट जाने के लिए..., इस पर पैपराजी ने कहा- कुछ न्यूज आ रही हैं न। इस पर फरहान ने हंसते हुए कहा- अच्छा अच्छा... । इस वीडियो को योगेन शाह ने शेयर किया है।

-कलाई पर शिबानी का टैटू

रिपोर्ट्स की मानें तो, यह कपल 21 फरवरी को मुंबई में अपनी रजिस्टर्ड शादी करेगा। याद दिला दें कि हाल ही में शिबानी दांडेकर ने अपनी कलाई पर नया टैटू बनवाया, जिसका वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। शिबानी दांडेकर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर कलाई पर बना टैटू फ्लॉन्ट करते हुए एक वीडियो शेयर किया था। इसके अलावा उन्होंने वो वीडियो भी दिखाया है जिसे टैटू बनवाते वक्त उन्होंने रिकॉर्ड किया।

-फरहान के नाम का टैटू

बता दें कि शिबानी दांडेकर इससे पहले अपनी गर्दन पर एक टैटू बनवा चुकी हैं। उन्होंने अपनी नेक पर फरहान अख्तर के नाम का टैटू बनवाया था। जिसके बाद उन्होंने अब ये नया टैटू बनवाया है। शिबानी ने अपनी कलाई पर आजाद परिंदों की तस्वीरें गुदवाई हैं। टैटू फ्लॉन्ट करते हुए जो वीडियो उन्होंने शेयर किया उसके कैप्शन में शिबानी ने आर्टिस्ट की तारीफ की थी।

-तूफान में आए थे नजर

याद दिला दें कि फरहान अख्तर आखिरी बार फिल्म तूफान में नजर आए थे। फिल्म में फरहान ने एक बॉक्सर का किरदार निभाया था। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और फरहान की खूब तारीफ की थी। वहीं याद दिला दें कि फरहान की अगली फिल्म जी ले जरा है, जिस में आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कटरीना कैफ नजर आएंगी। इसके साथ ही फरहान, आशुतोष गोवारिकर की फिल्म में भी नजर आएंगे।

श्वेता तिवारी ने दिया विवादित बयान

जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी का विवादास्पद बयान सामने आया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि मेरी ब्रा का साइज भगवान ले रहे हैं। इस बयान को लेकर श्वेता तिवारी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फैशन से जुड़ी एक वेबसीरिज को लेकर प्रोडक्शन टीम भोपाल आई थी और इस दौरान डिस्कशन चल रहा था। इस वेब सीरीज की शूटिंग भोपाल में ही होने वाली है। इस दौरान डिस्कशन में मजाक मजाक के दौरान श्वेता तिवारी के मुंह से निकल गया कि मेरी ब्रा का साइज़ तो भगवान ले रहे हैं। हालांकि उस समय मंच पर मौजूद लोगों ने इसे मजाक में उड़ा दिया लेकिन अब यह बयान विवाद का विषय बन सकता है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है जब बॉलीवुड या जाने-माने स्टार्स द्वारा हिंदू मान्यताओं और भगवान के ऊपर कमेंट किया गया है। इससे पहले भी कई बार हिंदू मान्यताओं और संस्कृति का मजाक उड़ाया जा चुका है। श्वेता तिवारी के विवादित बयान के बाद एक तरफ जहां इंटरनेट पर एक बार फिर से विवाद छिड़ गया है। वही सोशल मीडिया पर लोगों के तरह तरह के रिएक्शन सामने आ रहे हैं।

कार्तिक आर्यन सबसे प्रोफेशनल एक्टर: भूषण कुमार

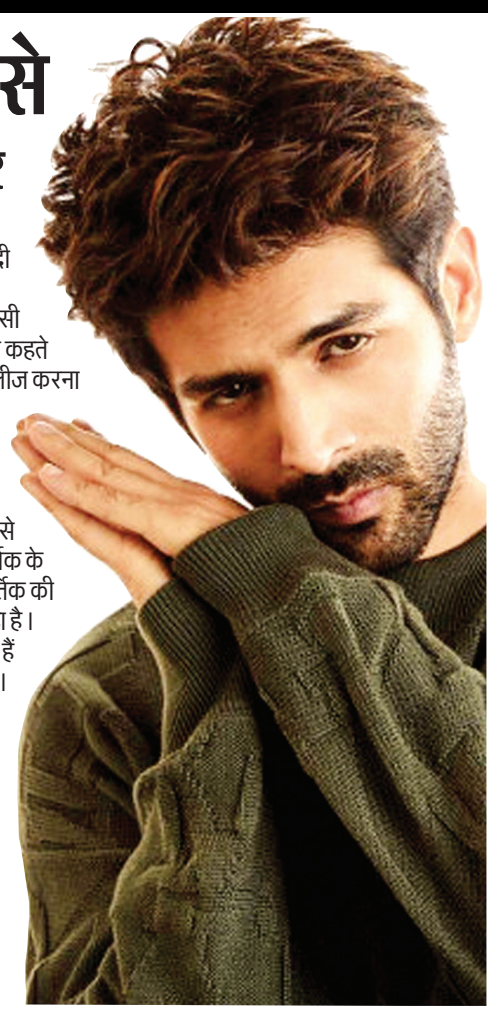

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म शहजादा के निर्माताओं ने गोल्डमाइंस के मनीष शाह से अला वैकुंठपुरमुलु के हिन्दी वर्शन की रिलीज को रोकने का अनुरोध किया है। फिल्म के प्रमुख अभिनेता कार्तिक आर्यन, फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और किसी भी कारण से फिल्म से पीछे नहीं हटना चाहते है। निर्माता भूषण कुमार कहते हैं, हम, निर्माता ने महसूस किया कि शहजादा को पहले थिएटर में रिलीज करना चाहिए न कि अला वैकुंठपुरमुलु के वर्शन संस्करण को, इसलिए हमने गोल्डमाइंस से हिन्दी वर्शन को रिलीज नहीं करने का अनुरोध किया है और फिल्म की रिलीज हमेशा निर्माता का निर्णय होता है और अभिनेता का नहीं। उन्होंने कहा, मैं कार्तिक को उनके करियर की शुरुआत से जानता हूं। हमने एक साथ कई फिल्में की हैं। वह सबसे प्रोफेशनल एक्टर्स में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है। कार्तिक के करीबी निर्देशक में से एक रोहित धवन ने कहा, शहजादा के लिए कार्तिक की मंशा और उत्साह निर्विवाद है। उनके साथ काम करना बेहद अच्छा रहा है। निर्देशक और अभिनेता के रूप में, हम एक सॉलिड बॉन्ड साझा करते हैं और फिल्म के लिए हमारे प्यार के रास्ते में कुछ भी नहीं आ सकता है। ऐसा लगता है कि अभिनेता और निर्देशक के बीच का बॉन्ड बड़े पर्दे पर जादू लाने के लिए उत्सुक है। वही, फिल्म के एक अन्य निर्माता अमन गिल ने साझा किया, अला वैकुंठपुरमुलु के हिन्दी वर्शन के रिलीज के बारे में पता लगने के बाद हम निर्माताओं ने मनीषजी से इसे रिलीज नहीं करने का अनुरोध किया। कार्तिक एक अभिनेता के रूप में शहजादा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और केवल इस बात पर चर्चा करते है कि वह इसमें शामिल सभी लोगों के लिए इसे सबसे बड़ी फिल्म बनाने में कैसे योगदान दे सकते है, वह इंडस्ट्री में सबसे डेडिकेटेड अभिनेताओं में से एक है।

श्रद्धा आया के पंजाबी लुक पर फिदा हुए फैंस

कुंडली भाग्य फेम श्रद्धा आर्या सोशल मीडिया पर कफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस फैंस केसाथतस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने सलवार सूट में अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब पसंद की जा रही हैं। लुक की बात करें तो श्रद्धा आर्या व्हाइट प्रिंटेड सलवार सूट में नजर आ रही है। इसके साथ एक्ट्रेस ने रेड दुपट्टा कैरी किया हुआ है। डायमंड जूलरी, लाइट मेकअप और बालों में परांदे से अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही है। श्रद्धा की इन तस्वीरों ने फैंस को अपना दीवाना बना दिया है। फैंस इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। बता दें श्रद्धा ने 16 नवंबर को नेवी ऑफिसर राहुल शर्मा से शादी की थी। शादी के बाद से एक्ट्रेस लगातार चर्चा में बनी हुई है। सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरें और वीडियोज शेयर करने से एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर 5 मिलियन फॉलोअर्स पूरे किए हैं, जिसका श्रद्धा ने जश्न भी मनाया था।

नए विजय दीनानाथ चौहान के रूप में ऋतिक लेंगे बदला

अग्निपथ का मात्र उल्लेख हमें अमिताभ बच्चन के आइकोनिक मोनोलॉग विजय दीनानाथ चौहान की याद दिला देता है। हालाँकि, 2012 के रिवेंज-ड्रामा में ऋतिक रोशन का मोनोलॉग (क्लाइमेक्स में) 1990 के कल्ट क्लासिक के लिए एक उपयुक्त ट्रिब्यूट है, जिसमें डैनी डेन्जोंगपा और मिथुन चक्रवर्ती भी नज़र आये थे। ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, 10 साल बीत भी गए ... इसके ख्याल ने ही मुझे उस चिंता और भारी जिम्मेदारी की याद दिला दी है जो मुझे अग्निपथ रीमेक का हिस्सा बनने पर महसूस हुई थी। विजय दीनानाथ चौहान के मेरे वर्शन को मौका देने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद। प्रतिभाशाली करण मल्होत्रा , करण जौहर के गाइडेंस में धर्मा की अद्भुत टीम, मेरी प्यारी प्रियंका चोपड़ा, संजय दत्त सर और शानदार कास्ट + क्रू को मेरा प्यार। ऋषि अंकल के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे करियर में हमेशा माइलस्टोन रहेगा। नए विजय दीनानाथ चौहान के रूप में ऋतिक रोशन एक नई बोतल में पुरानी शराब की तरह साबित हुए है जहाँ सुपरस्टार ने अपनी अद्भुत परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया , जो फिल्म में गुस्से की वास्तविक भावनाओं को प्रदर्शित करते हुए, अपने पिता की मौत का बदला लेने के लिए बेताब है। जिस तरह से ऋतिक ने अपनी भूमिका निभाई है, उनके करैक्टर की कठिनाइयों को देखते हुए, वह उल्लेखनीय था। साथ ही, रिवेंज ड्रामा के ट्रेलर को दर्शकों, फर्टेर्निटी, क्रिटिक्स और सुपरस्टार के फैंस द्वारा खूब सरहाया गया था। अग्निपथ जैसी प्रतिष्ठित फिल्म का हिस्सा बनने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, ऋतिक ने कुछ साल पहले उल्लेख किया था कि ऐसी कितनी कम स्क्रिप्ट होती है जिसमें अभिनेता को सब कुछ जोखिम में डालने की आवश्यकता होती है और वह इसी तरह की भूमिकाओं की तलाश में रहते हैं। ऐसी ही एक फिल्म उनके लिए अग्निपथ थी। हाल ही में उनके जन्मदिन के विशेष अवसर पर लॉन्च हुई उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म विक्रम वेधा से ऋतिक के फर्स्ट लुक को दर्शकों, इंडस्ट्री और क्रिटिक्स द्वारा बेहद पसंद किया गया है। साथ ही, सुपरस्टार जल्द दीपिका पादुकोण के साथ फाइटर में भी नजर आएंगे।

मैंने अपना सब कुछ भावनात्मक मानसिक और शारीरिक रूप से गहराइयाँ को दे दिया-दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने पर्दे पर प्यार और नुकसान के विभिन्न पहलुओं को दिखाने की कला में महारत हासिल की है। दर्शकों ने उन्हें कॉकटेल में दिल टूटने वाली तारा, तमाशा में अपने असफल रिश्ते को एक साथ जोडने की कोशिश करती जोशीले वेरोनिका के रूप में देखा है। अब शकुन बत्रा की आने वाली फिल्म गहराइयाँ में, दर्शक दीपिका को रिश्तों की गहराई में गोता लगाते हुए देखेंगे और अपने व्यक्तित्व के सबसे कच्चे और कमजोर पहलुओं की खोज करेंगे। हाल ही में इंडिया टूडे डॉट इन को दिए अपने एक साक्षात्कार में दीपिका पादुकोण ने इस बारे में बात की कि कैसे उन्होंने अलीशा के जटिल चरित्र से संपर्क किया। गहराइयाँ का ट्रेलर दीपिका पादुकोण के साथ शुरू होता है जिसमें कहा गया है कि वह फंसी हुई महसूस कर रही है और उसे घर पर रहना पसंद नहीं है। फिल्म के निर्माण के दौरान उनकी मानसिकता के बारे में पूछे जाने पर, दीपिका ने कहा, ठीक है, मुझे लगता है कि अलीशा भी अपने जीवन में जो महसूस कर रही है, उसका एक रूपक भी है। जितना वह शारीरिक रूप से महसूस कर रही है, उससे यह भी पता चलता है कि वह अपने मन में कितना अटका हुआ महसूस कर रही है, बस इस आधार पर कि वह उस समय अपने जीवन में कहाँ है। मैं समझती हूँ कि अलीशा क्यों महसूस करती है कि वह जीवन में फंसी हुई है। उसने आगे कहा, सचमुच मैं वह हूं जिसे घर पर रहना पसंद है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि मैं उस लाइन को कभी कहूंगी। मैं कभी भी घर पर अटका हुआ महसूस नहीं करती। लेकिन मैं इसके रूपक हिस्से को समझती हूं, जब आप बस अटका हुआ महसूस करते हैं और यही वह जगह है जहां से अलीशा की विचार प्रक्रिया आ रही है। यह सिर्फ इस बात पर आधारित है कि वह क्या कर रही है, वह कहां है और वह किस तरह का जीवन जीना चाहती है। यह उस समय का एक छोटा सा हिस्सा है जो मेरे दिमाग में उस समय चल रहा था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने जूही चावला पर लगे 20 लाख रुपये के जुर्माने को 2 लाख किया

5जी नेटवर्किंग के खिलाफ अभिनेत्री जूही चावला पर लगाए गए 20 लाख रुपये के जुर्माना को हाई कोर्ट ने घटाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया है। और कहा कि चावला ने 5जी के मुद्दे को हल्के-फुल्के तरीके से नहीं लिया था। बेंच ने देश में 5जी वायरलेस नेटवर्क स्थापित करने के खिलाफ दायर मुकदमे को खारिज करने के दौरान एकल न्यायाधीश द्वारा की गई कई टिप्पणियों को भी खारिज कर दिया।

दरअसल डीएसएलएसए ने 20 लाख रुपये जुर्माने की वसूली के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। बदले में जूही चावला ने भी सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। जिसमें जुर्माने की रकम को लेकर चुनौती दी गई थी। आपको बता दें कि जूही चावला ने 5जी तकनीक को लेकर यह कहते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी, कि 5 जी तकनीक आने से इंसान से लेकर पशु और पक्षियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

एक दूजे के हुए मौनी और सूरज

मौनी रॉय और सूरज नांबियार शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों की शादी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। दोनों ने मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों के साथ गोवा में सात फेरे लिए। मौनी और सूरज की शादी में परिवारवाले और कुछ खास दोस्त ही शामिल हुए। दुल्हन बनीं मौनी पारंपरिक साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। मौनी और सूरज की शादी की तस्वीरें सामने आते ही वायरल हो गई है। फैंस उन्हें आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। मौनी रॉय और सूरज की ये साउथ इंडियन वेडिंग है। क्योंकि सूरज दक्षिण भारतीय हैं, इसलिए दोनों की शादी मलयाली और बंगाली रस्मों रिवाज से हुई है। अपनी शादी में सिंपल लुक में भी मौनी बेहद खूबसूरत लगीं। उन्होंने ज्यादा मेकअप भी नहीं किया है। अपने ब्राइड लुक को मौनी ने गोल्डन ज्वैलरी के साथ कंप्लीट किया है, वहीं सूरज ने गोल्डन कलर का कुर्ता पहना हुआ है। बीते दिन मौनी रॉय की मेहंदी और हल्दी की रस्म हुई। इस बीच एक्ट्रेस ने अपने होने वाले पति सूरज नांबियार के साथ एक रोमांटिक तस्वीर फैंस के साथ शेयर की है। इस तस्वीर में दूल्हा दुल्हन बेहद खुश नजर आ रहे हैं।

हांगकांग ने विदेश से आने वालों के लिए क्वारंटाइन में किया बड़ा बदलाव

हांगकांग। हांगकांग में विदेश से आने वाले नागरिकों के लिए अनिवार्य पृथकवास अवधि को 21 दिन से घटाकर 14 दिन किया

जा रहा है। हालांकि यहां अब भी कोविड-19 के नए मामले आ रहे हैं। हांगकांग कारोबार का बड़ा केंद्र है और विदेश यात्राओं पर कड़ी पाबंदियों के कारण लोगों ने अपने सामने आ रहीं परेशानियों के संबंध में शिकायतें दर्ज कराई हैं। पृथकवास के नियम में यह ढील चीन से अलग है जहां विदेश से आने वालों को अब भी 21 दिन के लिए अलग रहना होगा।

भारत-अमरीका संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ है प्रवासी समुदायः तरणजीत सिंह संधू

वाशिंगटनः भारत सरकार द्वारा 3 प्रख्यात भारतीय अमरीकियों को पद्म भूषण नागरिक पुरस्कार देने की घोषणा के बाद अमरीका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भारतीय मूल के

अमरीकी प्रवासियों ने दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस बीच, अमरीका के शीर्ष सांसदों ने 130 करोड़ भारतीयों और दुनियाभर में फैले भारतीय समुदाय के सदस्यों को बुधवार को 73वें गणतंत्र दिवस के मौके पर बधाई दी। संधू ने कहा कि प्रवासी भारतीय समुदाय विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के माध्यम से संबंधों को मजबूती प्रदान करते हुए भारत की विकास यात्रा में योगदान देता है। संधू ने कहा कि इस साल 3 विशिष्ट आप्रवासी सदस्यों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है, जिनमें भारतीय व्यंजनों को लोकप्रिय बनाने वाली मधु जाफरी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व करने वाले सत्य नडेला तथा सुंदर पिचई शामिल हैं।

भारत की एस-400 मिसाइल डील पर बोला अमेरिका- 'अस्थिर करने वाली भूमिका' निभा रहा रूस

वाशिंगटनः अमेरिका ने कहा कि रूस का भारत को एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचना क्षेत्र में और संभवतः उससे बाहर अस्थिरता पैदा करने में मॉस्को की भूमिका को प्रदर्शित करता है। अमेरिका भारत द्वारा रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे जाने पर कई बार चिंता व्यक्त कर चुका है। भारत ने जोर देकर कहा है कि उसके फैसले उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के हित पर आधारित हैं।अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एस-400 प्रणाली को लेकर जो हमारी चिंताएं है, उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। मुझे लगता है कि यह क्षेत्र में और संभावित रूप से उससे बाहर अस्थिरता पैदा करने में रूस की भूमिका को उजागर करता है। प्राइस से रूसी एस-400 प्रणाली को लेकर अमेरिका-भारत संबंध पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछा गया था, जिसके जवाब में उन्होंने यह बात कही। अमेरिका की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में की गई है, जब यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस आमने-सामने हैं। अमेरिका की कड़ी आपत्तियों और जो बाइडन प्रशासन की ओर से प्रतिबंधों की चेतावनी के बावजूद भारत ने मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के अपने फैसले में कोई बदलाव करने से मना कर किया है। प्राइस ने कहा, 'चाहे भारत हो या कोई और देश, हम सभी देशों से आग्रह करते हैं कि वे रूस के साथ हथियार प्रणाली को लेकर कोई नया लेन-देन करने से बचें।'

अब 'नियोकोव' ने डरायाः हर तीन में से एक की मौत की आशंका, वुहान के वैज्ञानिकों का दावा

लंदन। चीन के वुहान के वैज्ञानिकों ने अब नए कोरोना वायरस 'नियोकोव' को लेकर डराने वाली खबर दी है। 2019 में समूची दुनिया में वुहान से ही कोरोना वायरस फैला था। अब वहां के वैज्ञानिकों ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका में नए प्रकार का कोरोना वायरस 'नियोकोव' मिला है। इसकी संक्रमण व मृत्यु दर दोनों ही बहुत ज्यादा है। इसके संक्रमित हर तीन व्यक्तियों में से एक की जान जा सकती है।

वुहान के वैज्ञानिकों के इस दावे को रूसी समाचार एजेंसी स्पूतनिक ने जारी किया है। पूरी दुनिया पहले ही कोरोना के खौफ से भयभीत है। इसके ओमिक्रॉन व डेल्टा वैरिएंट कहर बरपा रहे हैं। ऐसे में 'नियोकोव' से चिंता और बढ़ सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निओकोव वायरस नया नहीं है। यह मर्स कोव वायरस MERS-CoV virus से जुड़ा है। 2012 में यह मध्य पूर्व के देशों में मिल चुका है। यह सार्स कोव 2 से मिलता-जुलता है, जिससे इंसानों में कोरोना वायरस फैला था।

दक्षिण अफ्रीका के चमगादड़ों में मिला

नियोकोव वायरस दक्षिण अफ्रीका में चमगादड़ों में मिला है, अभी यह इन पक्षियों में ही फैला है, लेकिन 'बायोरेक्सिव' वेबसाइट पर प्रीप्रिंट के रूप में प्रकाशित रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह और इसके करीबी रूप पीडीएफ-2180-कोव इंसानों को भी संक्रमित कर सकते हैं। वुहान यूनिवर्सिटी और चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेस, इंस्टीट्यूट ऑफ बायो फिजिक्स के वैज्ञानिकों का कहना है कि नियोकोव के मात्र एक म्यूटेशन यानी रूप बदलने से यह इंसान की कोशिकाओं में फैलने लगेगा। चीन के शोधकर्ताओं के अनुसार नियोकोव की उच्च संक्रमण दर हासिल करने की क्षमता है और इसके हर तीन संक्रमित में से एक की मौत हो सकती है। रूस के वायरोलॉजी व बॉयोटेक्नालॉजी विभाग ने नियोकोव को लेकर गुरुवार को बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि फिलहाल नियोकोव इंसानों में सक्रिय रूप से फैलने में सक्षम नहीं है। अभी सवाल यह नहीं है कि नया कोरोनावायरस इंसान में फैलता है या नहीं, बल्कि इसकी जोखिम व क्षमताओं को लेकर और अध्ययन तथा जांच करने का है।

अफगानिस्तान को मानवीय संकट से निकालने पर पश्चिम देशों के राजनयिकों ने दिया जोर

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में तालिबान का राज आने के बाद से वहां के हालात काफी खराब हुए हैं। ऐसे में अफगानिस्तान को मानवीय संकट से निकालने के लिए दुनिया भर के देश अपनी-अपनी ओर से कोशिश कर रहे हैं। बीते 24 जनवरी को नार्वे की राजधानी ओस्लो में पश्चिमी देशों के प्रतिनिधियों के साथ तालिबान के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। इस वार्ता में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, यूरोपीय संघ और नार्वे के प्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा की साथ ही अफगानिस्तान में मानवीय संकट को दूर करने पर जोर दिया।

एक संयुक्त बयान में पश्चिमी देशों के राजनयिक ने अफगानिस्तान के मानवीय हालात पर बयान देते हुए कहा कि अफगानिस्तान के मानवीय संकट को दूर करने की तत्काल आवश्यकता है। ताकि अफगान लोगों की पीड़ा को कम किया जा सके। इस दौरान अफगानिस्तान के मानवीय कार्यकर्ताओं, महिला और पुरुषों के लिए उठाए

गए कदमों में राहत देने की बात कही गई। साथ ही वहां के हालातों पर चिंता व्यक्त करते हुए पाबंदियों को हटाने पर जोर दिया गया।

ओस्लो में बैठक के दौरान, राजनयिकों ने यह स्पष्ट किया कि तालिबान के साथ उनकी बैठक में सितंबर 2021 में तालिबान द्वारा घोषित अंतरिम सरकार की आधिकारिक मान्यता या वैधता का कोई अर्थ नहीं है। साथ ही प्रतिनिधियों ने तालिबान से अफगानिस्तन के हालातों का भी जिक्र करते हुए वहां की परेशानियों को सामने रखा। बैठक के दौरान अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन की वृद्धि को रोकने, मनमाने ढंग से लोगों को हिरासत मे रखना, मीडिया पर कार्रवाई, हत्याएं, महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा पर अत्याचार जैसे मुद्दों को उठाया गया।

बाइडन ने किया ऐलान- अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट को मिलेगी पहली काली महिला जज

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह फरवरी के अंत तक अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में पहली काली महिला न्यायाधीश को नियुक्त करेंगे। बाइडन ने व्हाइट हाउस में हुए एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। बाइडन ने सेवानिवृत होने जा रहे न्यायाधीश स्टीफन ब्रेयर की तारीफ की और कहा कि उनकी जगह लेने वाले न्यायाधीश की तलाश शुरू कर दी गई है। बाइडन ने वादा किया कि ब्रेयर की जगह किसी योग्य व्यक्ति को न्यायाधीश नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह संभावित उम्मीदवार के बारे में अध्ययन कर रहे हैं। बाइडन ने कहा कि मैंने फैसला किया है कि मैं जिस व्यक्ति को नियुक्त करूंगा वह असाधारण योग्यता, चरित्र और सत्यनिष्ठा वाला व्यक्ति होगा। और वह व्यक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली काली महिला होगी।'

लूचिस्तान में चेक पोस्ट पर बड़ा आतंकी हमला, 10 जवानों की मौत, तीन आतंकवादी गिरफ्तार

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, केच जिले में हुए इस हमले में पाकिस्तान के 10 जवान मारे गए हैं। आतंकियों ने केच जिले की चेक पोस्ट पर तैनात पाक सैनिकों को निशाना बनाकर हमला किया था।

एक आतंकी भी मारा गया, कई घायल

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आइएसपीआर) की ओर से जारी बयान के अनुसार, 25-26 जनवरी की रात आतंकियों ने ये हमला किया था। बयान में कहा गया कि इस दौरान दोनों ओर से गोलीबारी हुई। गोलीबारी में एक आतंकी मारा गया जबकि 10 जवान शहीद हो गए। इस हमले में कई आतंकी घायल भी हुए हैं।

तीन आतंकी गिरफ्तार

बयान में आगे बताया गया कि तीन आतंकियों को पकड़ लिया गया है। आतंकियों को

खोजने के लिए अभी भी आपरेशन चलाया जा रहा है। पाक अखबार डान ने आइएसपीआर के बयान के हवाले से कहा, 'सशस्त्र बल हमारी धरती से आतंकवादियों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, चाहे कोई भी कीमत क्यों न हो।' बता दें कि इससे पहले इसी महीने बन्नू के जानीखेल में आतंकी हमले में पाकिस्तानी जवान की मौत हो गई थी। वहीं, 5 जनवरी को खैबर पख्तूनख्वा में हुए हमले में दो जवान मारे गए थे।

भारत के गणराज्य बनने के साथ ही बेहतरी के लिए बदल गई थी दुनिया : होचुल

न्यूयार्क। न्यूयार्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा है कि 26 जनवरी, 1950 को दुनिया बेहतरी के लिए बदल गई थी जब भारत एक समावेशी, पंथनिरपेक्ष और बहुलवादी गणराज्य बना था। उन्होंने कहा कि न्यूयार्क में लगभग 4,00,000 भारतीय-अमेरिकी हैं जिनका राष्ट्र में योगदान आगे भी जारी रहेगा। भारत ने बुधवार को अपना 73वां गणतंत्र दिवस मनाया।

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए होचुल ने एक वीडियो संदेश में कहा कि 26 जनवरी, 1950 को दुनिया बेहतरी के लिए बदल गई क्योंकि भारत ने अपना संविधान अपनाया था और ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के तीन साल बाद आधिकारिक तौर पर एक समावेशी, पंथनिरपेक्ष और बहुलवादी गणराज्य बन गया था। होचुल ने कहा कि यह न केवल उस दिन की ऐतिहासिक उपलब्धि को दर्शाने का समय है, बल्कि उन योगदानों को उजागर करने का समय भी है जो भारतीय समुदाय ने हर दिन दुनियाभर में दिया है। उन्होंने कहा, आज, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जो उन मूल्यों पर बना है जो स्वतंत्रता, समावेशिता, समानता और समृद्धि से जुड़े हुए हैं। ये साझा आदर्श हैं और हम इन्हें एक साथ आगे बढ़ाते हैं।

न्यूयार्क में भारत के महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल ने होचुल को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। न्यूयार्क में भारत के वाणिज्य दूतावास को न्यूयार्क राज्य में 26

जनवरी को भारत के गणतंत्र दिवस के रूप में मनाने और घोषित करने के लिए न्यूयार्क सीनेट द्वारा पारित एक विधायी प्रस्ताव प्राप्त हुआ। न्यूयार्क में भारत के वाणिज्य दूतावास और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने 73वें गणतंत्र दिवस को विशेष समारोहों का आयोजन करके मनाया।

पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 8183 मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते चौबीस घंटों में कोरोना वायरस के संक्रमण के 8183 मामले सामने आए। ये मुल्क में एक दिन में दर्ज सर्वाधिक मामले थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले कुल मरीजों की संख्या 14,02,070 पर पहुंच गई है, जबकि बीते चौबीस घंटों में 30 अतिरिक्त मौतों से मृतकों की तादाद बढ़कर 29,192 हो गई।

एजेंसी के अनुसार, देश में दैनिक संक्रमण दर 12 फीसदी आंकी गई है। वहीं, कराची जैसे कई बड़े शहरों में यह 20 प्रतिशत से ज्यादा पाई गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मुल्क में अब तक 12,74,657 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं, लेकिन 1353 मरीजों की हालत बेहद

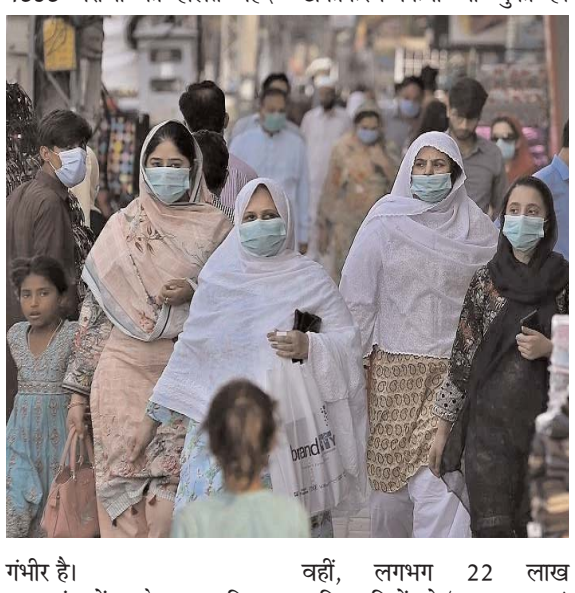

गंभीर है।

आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में फिलहाल आठ करोड़ से ज्यादा लोगों का पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है। वहीं, लगभग 22 लाख पाकिस्तानियों को 'बूस्टर खुराक' लगाई जा चुकी है।

अमेरिका न दे दखलः भारत के साथ सीमा विवाद पर चीन की राय, बोला- हम दोनों पड़ोसी सुलझा लेंगे मसला

बीजिंग। भारत के साथ जारी सीमा विवाद को लेकर चीन के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका को इसमें दखल नहीं देना चाहिए। दोनों पड़ोसी देश द्विपक्षीय ढंग से मसले को सुलझा लेंगे। दरअसल चीन द्वारा लद्दाख क्षेत्र में मनमाने ढंग से निर्माण कार्यों पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। अन्य पड़ोसी देशों के साथ भी चीन के विस्तारवादी कदमों को लेकर अमेरिका व अन्य पश्चिमी देश उसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। इसे लेकर चीन पर दबाव बढ़ रहा है।

चीन ने यह भी कहा कि वह और भारत नहीं चाहता है कि कोई तीसरा पक्ष सीमा विवाद को लेकर मध्यस्थता करे। हालांकि चीन के इस बयान पर भारत ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। चीन के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारत के साथ सीमा समस्या द्विपक्षीय

मसला है। उसने इस बयान को लेकर अमेरिका की आलोचना की कि चीन भारत समेत अपने पड़ोसियों को मजबूर कर रहा है।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने कहा, 'कुछ अमेरिकी राजनीतिज्ञ 'दमन' शब्द के इस्तेमाल के इतने आदी हो चुके हैं कि वे भूल जाते हैं कि अमेरिका ही 'दबाव की कूटनीति' का आविष्कारक और बड़ा खिलाड़ी है।'

कियान ने कहा कि चीन न तो किसी पर दबाव डालता है और न ही किसी के दबाव में आता है। वह अमेरिका की दबाव की कूटनीति का मजबूती से विरोध करता है। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को अपनी मासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ निकट संपर्क में रह कर सीमा विवाद सुलझा लेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बीते दिनों जापान के पीएम किशिंदा के साथ 80 मिनट की वर्चुअल मीटिंग में चीन को चेतावनी दी थी। चीन सागर में चीन के बढ़ते दखल व भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ते दखल व यूक्रेन संकट के बीच ताइवान में आक्रमण न करने को लेकर उसे धमकाते हुए अमेरिका ने कहा था कि वह अपनी हरकतों से बाज आए। अमेरिका ने यह भी कहा था कि भारतीय सीमा पर चीन की हरकतों पर भी उसकी नजर है।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चल रहे विवाद को हल करने के लिए भारत और चीन के बीच 12 जनवरी को हुई 14 वें दौर की सैन्य वार्ता से पहले व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए अमेरिका को नसीहत दी। साकी ने कहा था कि हम पूर्वी लद्दाख और दुनिया भर में बीजिंग के व्यवहार पर नजर रखे हुए हैं। हमें विश्वास है कि यह अस्थिर करने वाला हो सकता है। हम चीन को अपने पड़ोसियों को डराने-धमकाने के प्रयास से चिंतित हैं।

विश्व में कोरोना संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा 56.37 लाख के पार

वाशिंगटन। विश्व में कोरोना वायरस से अब तक 56.37 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और अब तक 36.62 करोड़ से अधिक लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके हैं। वहीं दुनिया भर में अब तक 9.89 अरब से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 36,62,49,339 हो गयी है और मृतकों के आंकड़े बढ़कर 56,37,611 तक पहुंच गए है।

विश्व भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, जहां इस महामारी से अभी तक 7.34 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 8,78,421 लोग काल के गाल में समा चुके हैं। भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है, जहां पिछले 24 घंटों में शुक्रवार सुबह तक कोविड संक्रमण के दो लाख 51 हजार 209 नये मरीज सामने आये हैं। इसके साथ ही देश के कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 21 लाख पांच हजार 611 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 5.18 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 15.18 प्रतिशत हो गयी है। इसी अवधि में तीन लाख 47 हजार 443 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल तीन करोड़ 80 लाख 24 हजार 771 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 93.60 प्रतिशत तक पहुंच गयी है। वहीं इस दौरान 627 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 492327 हो गया है। देश में इस समय मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है। संक्रमण के मामले में ब्राजील तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कोरोना वायरस की जद में अभी तक 2.46 करोड़ से अधिक लोग आ चुके है और यह वायरस अभी तक 6,24,717 लोगों की जान ले चुका है। फ्रांस संक्रमण के मामले में चौथे पायदान पर है। देश में अभी तक अभी तक करीब 1.82 करोड़ से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और अब तक 1,31,008 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण के मामले में ब्रिटेन पांचवें स्थान पर है, जहां अभी तक करीब 1.63 करोड़ लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके है जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,55,561 तक पहुंच गया है। तुर्की कोरोना संक्रमण के मामले में रूस को पीछे छोड़कर छठे पायदान पर पहुंच गया है, जहां अभी तक करीब 1,12,50,107 लोग संक्रमित हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना मामलों में आई गिरावट, सामने आए 2.51 लाख केस, 627 लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली। देश में कोरोना मामलों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2.51 लाख केस सामने आए हैं। इस दौरान 627 लोगों की मौत हुई। वहीं, देश में 3,47,443 लोग ठीक हुए। गुरुवार की तुलना में भारत में कोरोना के करीब 35000 कम केस सामने आए। गुरुवार को कोरोना के 2.86 लाख केस मिले थे। वहीं, 573 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

भारत में एक्टिव केस की बात करें तो 22 लाख से घटकर 21,05,611 पर आ गए हैं। यह कुल केस का 5.18फीसदी हैं। वहीं, डेली पॉजिटिविटी रेट 15.88त्न है। भारत में अब तक 93.60फीसदी की दर से 3,80,24,771 लोग ठीक हो चुके हैं। भारत में अब तक कोरोना वैक्सीन की 1,64,44,73,216 डोज लग चुकी हैं।

राज्यों में जानें में कोरोना का हाल

- केरल में सभी राज्यों में सबसे ज्यादा केस सामने आए। पिछले 24 घंटों में कोरोना के 51,739 नए ??मामले सामने आए, और 42,653 मरीज ठीक हुए जबकि 11 मरीजों की मौत हुई।

- कर्नाटक में कोरोना के 38,083 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि, यहां 67,236 मरीज ठीक हुए और 49 मरीजों की मौत हुई।

- तमिलनाडु में कोरोना के 28,515 नए मामले सामने आए, 53 मरीजों की मौत हुई, एक्टिव मामले 2,13,534 हैं।

- महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 25,425 नए मामले सामने आए, 36,708 मरीज ठीक हुए और 42 की मौत हुई।

- गुजरात में कोरोना के 12,911 नए मामले सामने आए। 22 मरीजों की मौत हुई और 23,197 मरीज ठीक हुए. एक्टिव मामले 1,17,884 हैं।

- दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 4,291 मामले आए हैं, 34 लोगों की मौत हुई। 9,397 लोग ठीक हुए हैं।

- पश्चिम बंगाल में 3,608 नए मामले सामने आए। 15,216 लोग ठीक हुए और 36 लोगों की कोरोना से मौत हुई. राज्य में एक्टिव केस 55,725 हैं।

- असम में 3,677 नए मामले सामने आए जबकि 4,545 मरीज़ ठीक हुए और 20 लोगों की कोरोना से मौत हुई। एक्टिव केस 35,175 हैं।

- झारखंडः राज्य में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 892 नए मामले सामने आए है. इस दौरान 2,719 लोग डिस्चार्ज हुए और 5 लोगों की मौत हुई।

दिल्ली-एनसीआर में धूप खिलने के बावजूद सर्दी से अभी नहीं मिलेगी निजात, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप जारी हैं, लेकिन 26 जनवरी के बाद दिल्ली-एनसीआर में धूप निकलने से मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिला है। आज राष्ट्रीय राजधानी में ज्यादा ठंड नहीं है और इससे लोगों को काफी राहत भी मिली है। लेकिन कल मौसम विभाग ने जानकारी दी थी कि शुक्रवार के दिन सुबह में हल्का कोहरा छाया रहा।

वहीं मध्य प्रदेश में उत्तरी हवाएं चलने से प्रदेश के कुछ हिस्से में गुरूवार को भीषण शीत लहर थी। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों में मध्य प्रदेश के 19 जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान है। पूरे उत्तर भारत में ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है। राष्ट्रीय राजधानी में गुरूवार को धूप खिलने के बावजूद मौसम सर्द बना रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शहर में पिछले तीन-चार दिन से बारिश होने, कोहरा छाने और धूप कम निकलने के कारण मौसम काफी सर्द है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के

अनुसार, दिल्ली में जनवरी का सबसे ठंडा दिन था। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों तक भीषण ठंड या ठंड रहने के अनुमान के तहत 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। इंदौर, अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, दतिया, टीकमगढ़, बैतूल, दमोह, और बालाघाट में अलग-अलग स्थानों पर कड़ाके की सर्दी पहने का अनुमान है।

सुप्रीम कोर्ट से महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर को बड़ा झटका, बीजेपी के 12 विधायकों के सदन से निलंबन को गलत बताया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भाजपा के 12 विधायकों का निलंबन रद्द कर महाराष्ट्र भाजपा को एक बड़ी राहत दी। बता दें कि इन विधायकों को पीठासीन अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार के आरोप मे निलंबित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा 12 विधायकों को महाराष्ट्र विधानसभा से एक साल के निलंबन को शुक्रवार को असंवैधानिक, अवैध और मनमाना करार दिया। न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि निलंबन एक सत्र से अधिक समय के लिए नहीं हो सकता। पीठ ने कहा कि 05 जुलाई 2021 को महाराष्ट्र विधानसभा का वह प्रस्ताव असंवैधानिक है, जिसमें 12 विधायकों को एक साल के लिए निलंबित किया गया था। शीर्ष अदालत ने निलंबित विधायक आशीष शेलार और अन्य द्वारा दायर जनहित याचिका पर आज अपना फैसला सुनाया। पीठ ने संबंधित पक्षों का पक्ष सुनने के बाद 19 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

2020 दिल्ली दंगा मामला : वकील की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। किसान विरोध और दिल्ली दंगों संबंधित मामलों पर पक्ष रखने के लिए वकील की नियुक्ति को लेकर एक बार आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल आमने-सामने हैं। शुक्रवार को मामले में सुनवाई के दौरान उपराज्यपाल अनिल बैजल की ओर से नियुक्त विशेष लोक अभियोजकों के बचाव में केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में कहा कि अत्यधिक संवेदनशील प्रकृति के होने के कारण मामले राष्ट्रीय महत्व के हैं। केंद्र सरकार और दिल्ली एलजी की ओर से पेश कामन काउंटर हलफनामे में पक्ष रखते हुए कहा गया है कि दिल्ली दंगों और किसान आंदोलन के मालों में सार्वजनिक व्यवस्था में गड़बड़ी पैदा की, जिससे देश की कानून और व्यवस्था में भरोसे का दोबारा स?थापित करने के लिए एफआईआर के कुशल, निष्पक्ष और न्यायसंगत अभियोजन की जरूरत है।

यह है पूरा मामला

दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल द्वारा दिल्ली दंगा मामलों और किसान आंदोलन को लेकर वकील की नियुक्ति को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली सरकार का तर्क है कि 2021 में 26 जनवरी को लाल किला हिंसा और दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में पुलिस द्वारा चुने गए वकीलों को उपराज्यपाल द्वारा विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नियुक्त करने से जांच एजेंसी और सरकारी पक्ष के बीच 'कोई अंतर' नहीं रह जाएगा। ये निर्णय पूरी तरह गैरकानूनी है। पिछली सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि मामला बहुत जरूरी है, लेकिन प्रतिवादियों उपराज्यपाल और केंद्र ने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। वहीं, इस पर शुक्रवार को केंद्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि दोनों ही मामले अत्यधिक संवेदनशील प्रकृति के होने के कारण मामले राष्ट्रीय महत्व के हैं।

डीडीएमए ने नहीं दी स्कूल खोलने की इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली आपदा प्रबंधन ने अभी स्कूलों को खोलने की अनुमति नहीं दी है। ऐसे में राजधानी के छात्रों को फिलहाल आनलाइन माध्यम से ही बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी करनी होगी। हालांकि, स्कूल प्रबंधन के साथ ही अनुमति मिलने का इंतजार कर रहे थे। स्कूलों के प्रधानाचार्य का कहना है कि अब सीबीएसई के सैंपल पेपर से आनलाइन माध्यम से लिखित परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी। वहीं, प्रायोगिक परीक्षा की तैयारी को लेकर भी योजना बनाई जाएगी।द्वारका सेक्टर-9 स्थित आइटीएल पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य सुधा आचार्या ने कहा कि मार्च-अप्रैल में टर्म-2 की बोर्ड परीक्षाएं होनी हैं, लेकिन अभी तक प्रायोगिक विषयों की तैयारी नहीं हो सकी है। स्कूल नहीं खुलने से छात्रों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है। स्कूल खुलने पर बच्चों की बेहतर तैयारी कराई जा सकती थी। वहीं, पुष्प विहार स्थित बिरला विद्या निकेतन स्कूल की प्रधानाचार्य मीनाक्षी कुशवाह ने बताया कि छात्र, अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षकों को भी स्कूल खुलने का इंतजार था। अब शिक्षक प्रायोगिक विषयों की तैयारी के लिए रसायन विज्ञान, भौतिकी और जीव विज्ञान से संबंधित प्रयोगों का वीडियो रिकार्ड कर छात्रों को भेज रहे हैं।ताकि छात्रों की थोड़ी तैयारी हो सके।छात्र हुए मायूस- स्कूल न खोले जाने से सबसे ज्यादा मायूसी बोर्ड के छात्रों को हुई है। छात्रों के मुताबिक माल, सिनेमा हाल और बाजार खोले गए हैं, लेकिन शिक्षा को दरकिनार किया जा रहा है। छात्रा चार्वी के मुताबिक बोर्ड परीक्षाएं नजदीक हैं, ऐसे में एक बार फिर बच्चों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, छात्र आशीष के मुताबिक स्कूल न खोने जाने की वजह से परीक्षाओं की तैयारी में समस्या आएगी। स्कूल जाकर विषय को गहराई से समझने के लिए लैब में विषय से संबंधित प्रयोग करने से काफी मदद मिलती है।

362 करोड़ की जीएसटी चोरी में दो मास्टरमाइंड गिरफ्तार

गाजियाबाद । केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) सूचना महानिदेशालय की गाजियाबाद क्षेत्रीय इकाई ने फर्जी कंपनियां बनाकर इनवायस जारी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया। इन कंपनियों की ओर से कुल 3189 करोड़ रुपये के फर्जी बिल जारी करते हुए 362 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी है। सीजीएसटी के अपर आयुक्त ऋषिकेश सिंह ने बताया कि डाटा माइनिग के बाद संदेह के आधार पर दो कंपनियों के ठिकानों पर टीम ने छापेमारी की, जहां 200 से अधिक कंपनियों की फाइल, मोबाइल नंबर, डिजिटल सिग्नेचर, डेबिट कार्ड्स, सिम कार्ड्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड, पेन ड्राइव, आफिस की चाबियां, चेक बुक, रबर की मोहरें और अन्य कागजात बरामद हुए। जांच में पता चला की इस नेटवर्क का पूरा डाटा क्लाउड में रखा जाता है। डाटा खंगालने और मिले साक्ष्यों के आधार पर 275 अस्तित्वहीन कंपनियां पाई गईं, जो सिर्फ कागजों में संचालित हो रही थीं। इन कंपनियों के माध्यम से 3189 करोड़ रुपये कि फर्जी बिल जारी करते हुए 362 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की गई।

पोर्श सवार युवक से 21.23 लाख रुपये की नकदी बरामद

नोएडा। सेक्टर-58 पुलिस कोतवाली व एसएसटी (स्थायी निगरानी समिति) ने चेकिग के दौरान संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए सेक्टर-60 चौकी के पास से पोर्श कार से 21.23 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। कार चालक द्वारा बरामद नकदी के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं देने पर इसे सीज कर कोतवाली लाया गया।

एडिशनल डीसीपी नोएडा रणविजय सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस सेक्टर-60 के पास चेकिग कर रही थी। इस दौरान पोर्श कार सवार युवक तेजी से आता दिखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। इस पर पुलिस ने जब कार की चेकिग की तो उसमें से 21 लाख 23 हजार 990 रुपये की नकदी मिली। कार सवार युवक रोहित अवाना नकदी के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इससे नकदी को सीज किया गया है।

आगामी विधानसभा निर्वाचन-2022 को सकुशल और शांतिपूर्ण संपन्न कराने को पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्ध नगर के निर्देशन में अवैध हथियार, शराब, अन्य प्रतिबंधित और चुनाव को प्रभावित करने वाले सामान आदि की तस्करी रोकने को बार्डर और विभिन्न थाना क्षेत्रों में संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिग हो रही है। एसीपी नोएडा रजनीश वर्मा ने बताया कि पोर्श कार युवक सेक्टर-19 का रहने वाला है। उसने खुद को पुलिस की पूछताछ में बिल्डर बताया है। युवक का कहना है कि उसका पेट्रोल पंप है। पिछले दिनों वह पैसे बैंक में जमा नहीं कर सका था। युवक से इस संबंध में जब जरूरी दस्तावेज मांगे गए तो वह मौके पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

प्रमोशन में आरक्षण पर आ गया सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला, अब राज्यों के पाले में गेंद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए पदोन्नति में आरक्षण की शर्तों को कम करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि राज्य सरकारें अनुसूचित जाति व जनजाति के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण देने से पहले मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए बाध्य हैं। प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता के आकलन के अलावा मात्रात्मक डेटा का संग्रह अनिवार्य है। उस डेटा का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हालांकि, केंद्र यह तय करे कि डेटा का मूल्यांकन एक तय अवधि में ही हो और यह अवधि क्या होगी यह केंद्र सरकार तय करे।

कोर्ट ने कहा कि नागराज (2006) और जरनैल सिंह (2018) मामले में संविधान पीठ के फैसले के बाद शीर्ष अदालत कोई नया पैमाना नहीं बना सकती। इस मामले में कोर्ट अगली सुनवाई 24 फरवरी को करेगा।

हम कोई मानदंड नहीं निर्धारित कर सकते-जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि

हमने माना है कि हम प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता को निर्धारित करने के लिए कोई मानदंड निर्धारित नहीं कर सकते। एक निश्चित अवधि के बाद प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता के आकलन के अलावा मात्रात्मक डेटा का संग्रह अनिवार्य है। यह समीक्षा अवधि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कैडर आधारित रिक्तियों के आधार पर आरक्षण पर डेटा एकत्र किया जाना चाहिए। राज्यों को आरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से समीक्षा होनी चाहिए और केंद्र सरकार समीक्षा की अवधि निर्धारित करेगी।

गैंगरेप के बाद लड़की को गंजा कर गलियों में घुमाने के मामले में 9 महिलाओं सहित 11 लोगों को हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के शाहदरा जिले के कस्तूरबा नगर में कथित रूप से एक महिला को किडनैप कर गैंगरेप करने के मामले में अब तक 9 महिलाओं सहित कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि 26 जनवरी के दिन जहां देश गणतंत्र दिवस समारोह में व्यस्त था वहीं दिल्ली की गलियों में एक महिला का चीरहरन किया जा रहा था

20 साल की एक लड़की को पहले किडनैप किया गया फिर उसके साथ गैंगरेप कर उसके चेहरे पर कालिख पोतकर, सिर मुंडवाकर और गले में जूतों की माला पहनाकर सड़कों पर घुमाया गया इस घिनौने काम में केवल आदमी ही नहीं औरतें भी शामिल थी। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि गिरफ्तार किए गए 11 आरोपियों में 9 महिलाओं के नाम एफआईआर में दर्ज

हैं और अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, उसे महिला के पति द्वारा बुधवार

राजधानी दिल्ली के शाहदरा जिले के कस्तूरबा नगर में कथित रूप से एक महिला को किडनैप कर गैंगरेप करने के मामले में अब तक 9 महिलाओं सहित कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

को हुई एक घटना के बारे में सूचित किया गया, जो मौके पर मौजूद नहीं था, लेकिन उसके मकान मालिक ने उस इसकी सूचना दी। पुलिस ने कहा कि सूचना मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे और 20 वर्षीय महिला को आरोपियों से बचाया और थाने ले गए। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें गैंगरेप, शारीरिक हमला, यौन हमला और आपराधिक साजिश शामिल है।

वहीं इस शर्मानक घटना पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को केंद्र से पुलिस को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देने का आग्रह किया था। दिल्ली महिला आयोग ने भी इस जघन्य अपराध के सिलसिले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए त्वरित कार्रवाई और पीड़िता के परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।

हंसराज कॉलेज में गोशाला खोलने पर विवाद, छात्रों ने शुरू किया ऑनलाइन अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध हंसराज कॉलेज में गो संवर्धन एवं अनुसंधान केंद्र खोले जाने पर नया विवाद खड़ा हो गया है। कॉलेज के छात्रों का आरोप है कि केंद्र के रूप में गोशाला को गर्ल्स हॉस्टल की जगह पर खोला गया है, जबकि कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. रमा शर्मा का कहना है कि अनुसंधान केंद्र का हॉस्टल की जगह से कोई लेना-देना नहीं है। छात्रों का कहना है कि गोशाला हटाने को लेकर अभियान शुरू करने के साथ हॉस्टल बनाने की मांग की जाएगी।

प्रो. रमा के मुताबिक, अनुसंधान केंद्र गोशाला नहीं है। यहां एक गाय को भी रखा गया है, लेकिन जिस जमीन पर अनुसंधान केंद्र बनाया गया है, उस छोटी सी जगह का गर्ल्स हॉस्टल से वास्ता नहीं है।

बीते दिनों आर्किटेक्ट व इंजीनियरों की टीम ने जमीन के छोटे हिस्से को हॉस्टल बनाने के लिए उपयुक्त नहीं बताया था। हालांकि, जब तक 100 बिस्तरों वाला हॉस्टल नहीं बनता है तब तक कॉलेज प्रशासन 25 से 30 बिस्तरों वाले मिनी हॉस्टल वाली परियोजना पर काम कर रहा है। प्रो. रमा के मुताबिक, गाय रखने से हॉस्टल के बच्चों के लिए शुद्ध दूध की भी व्यवस्था हो सकती है। साथ ही, भविष्य में बायो

गैस प्लांट भी लगाया जा सकता है। गोशाला खुलने का आरोप लगाते हुए एसएफआई यूनिट ने अनुसंधान केंद्र का विरोध जताने का फैसला लिया है। इसके लिए छात्रों ने ऑनलाइन अभियान शुरू भी कर दिया है।

ब्रह्मोस की बिक्री शुरू: फिलीपींस की नौसेना को बेची जाएगी सुपरसोनिक मिसाइल, 37 करोड़ डॉलर का करार

नई दिल्ली। लंबे समय तक हथियार आयातक देश रहा भारत अब शस्त्रों का बड़ा निर्यातक बनने जा रहा है। इस दिशा में बड़ा करार फिलीपींस से किया गया है। फिलीपींस की नौसेना के लिए भारत ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल बेचेगा। ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात के लिए यह पहला विदेशी ऑर्डर है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल ध्वनि की रफ्तार से तीन गुना तेज गति यानी 4321 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से मार करने में सक्षम है। फिलीपींस ने ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीदी को लेकर भारत से 37.50 करोड़ डॉलर (2,812 करोड़ रुपये) का करार किया है। शुक्रवार को सरकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दोनों देशों के अधिकारियों ने इस करार पर दस्तखत किए। इस महत्वपूर्ण करार पर हस्ताक्षर के वक्त ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंडिया के सीईओ अतुल डी राणे, डिप्टी सीईओ संजीव जोशी, ले. कर्नल आर. नेगी और प्रवीण पाठक मौजूद थे।

चीन के आक्रामक रवैये को झेल रहे फिलीपींस ने भारत के साथ दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक एंटी शिप क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की खरीदी का करार कर चीन को झटका दिया है। सूत्रों का कहना है कि डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) और ब्रह्मोस एयरोस्पेस इस मिसाइल का मित्र देशों को निर्यात करने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। डीआरडीओ ने हाल ही में अमेरिका के साथ मेड इन इंडिया रडार का सौदा भी किया था। भारत को अन्य मित्र देशों से भी मिसाइल प्रणाली के ऑर्डर जल्द मिलने की उम्मीद है क्योंकि कुछ और देशों के साथ भी इसे लेकर सौदेबाजी अंतिम दौर में है। इस मिसाइल की क्षमताओं में वृद्धि हुई है और कई आधुनिक विशेषताओं से लैस किया गया है। चीन का एक और पड़ोसी देश वियतनाम भी भारत से यह मिसाइल सिस्टम खरीद सकता है।

चीन को झटका

फिलीपींस को आंखें दिखा रहे चीन को इस सौदे से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ फिलीपींस के अधिकार क्षेत्र को लेकर विवाद चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे में ब्रह्मोस मिसाइल को फिलीपींस अपने तटीय इलाकों में तैनात कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहले नाम और अब छात्र आंदोलन को लेकर सुर्खियों में आए पटना वाले खान सर

नई दिल्ली। बिहार पुलिस ने पटना में यूट्यूबर खान सर और अन्य के खिलाफ रेलवे भर्ती परीक्षा के परिणाम पर हिंसक विरोध के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की। प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग क्लास करने वाले खान सर पर सोमवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है।पटना में सोमवार और मंगलवार को हिरासत में लिए गए आंदोलनकारी छात्रों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि वे एक वीडियो के बाद हिंसा में शामिल होने के लिए प्रेरित थे, जिसमें खान सर ने कथित तौर पर आरआरबी एनटीपीसी परीक्षा रद्द नहीं होने पर छात्रों को सड़कों पर आंदोलन करने के लिए उकसाया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

क्या कहते हैं खान सर?

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्राथमिकी दर्ज होने से पहले खान सर ने कहा कि अगर हिंसा में उनकी भूमिका है तो उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने हिंसा के लिए रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्होंने इंटरमीडिएट और स्नातक छात्रों को समान परिणाम दिए। उन्होंने कहा कि इससे स्नातक छात्रों को ही फायदा हुआ है। उन्होंने हिंसक मोड़ लेने वाले विरोध प्रदर्शनों के लिए आरआरबी को जिम्मेदार ठहराया।

कौन हैं पटना वाले खान सर?

पटना वाले खान सर का वीडियो खूब वायरल होता है। वह यू-ट्यूब की दुनिया के चर्चित शख्सियतों में से एक हैं। वह खान जीएस रिसर्च सेंटर नाम से एक यूट्यूब चैनल चलाते हैं। यहां उनके करीब 1.45 करोड़ फॉलोवर्स हैं। करेंट अफेयर्स और जीएस को देसी अंदाज में समझाने में उन्हें महारत हासिल है। यूट्यूब पर उनके वीडियो के व्यूज करोड़ों में हैं।

योगी आदित्यनाथ ने गिनाया मुसलमानों के लिए कितना किया काम, बताया क्यों नहीं दिया टिकट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उनकी सरकार ने मजहब के आधार पर कभी भेदभाव नहीं किया और जो फायदे हिंदुओं को मिल रहे हैं वही मुसलमानों को भी दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार का फायदा दोनों समुदायों को हुआ है। हिंदुओं की बेटियां सुरक्षित हुई हैं तो मुस्लिम बेटियां भी सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 19 फीसदी है, लेकिन कई योजनाओं में 35 फीसदी लाभ ले रहे हैं। उन्होंने इस बात का भी जवाब दिया है कि क्यों बीजेपी ने चुनाव में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है। मुस्लिम वर्ग में योगी सरकार को लेकर असुरक्षा की भावना क्यों है? इसके जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा, 'उनकी उदंडता और अराजकता को रोका गया है। अन्यथा जितने भी सभ्य और संभ्रात मुस्लिम समाज से जुड़े लोग हैं, वे सरकार के काम से खुश हैं। अगर सुरक्षा हिंदू बेटी को मिली है तो मुस्लिम बेटी को भी मिली है। हिंदू महिला को सुरक्षा मिली है तो मुस्लिम महिला को भी सुरक्षा मिली है। हिंदू व्यापारी खुश है तो मुस्लिम व्यापारी को भी सुरक्षा दी गई है। हर एक को सुरक्षा की गारंटी दी गई है। सुरक्षा के मुद्दे पर और शासन की योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं किया गया है।'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि हिंदू पर्व और त्योहार शांति से मनाए जा रहे हैं तो मुस्लिम पर्व-त्योहार भी शांति से मनाए जा रहे हैं। अगर यहां कर्फ्यू नहीं तो वहां भी कर्फ्यू नहीं। लेकिन यहां की सुरक्षा खतरे में पड़ेगी तो वहां की सुरक्षा भी खतरे में पड़ेगी। यही तो होता था कि पर्व और त्योहार आने से पहले कर्फ्यू लग जाता था। अब तो नहीं हो रहा है ना। हर पर्व त्योहार शांति से मनाया जा रहा है। हर बहन-बेटी, क्या

जाति क्या धर्म, सभी सुरक्षित हैं।

क्यों नहीं दिया किसी मुस्लिम को टिकट?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जब यह सवाल किया गया कि बीजेपी ने किसी मुस्लिम उम्मीदवार को क्यों नहीं चुनाव में उतारा तो उन्होंने कहा, 'समाजवादी पार्टी ठेका ले ले, हर सीट पर टिकट दे दे, कौन रोक रहा है उनको। चुनाव की केमेस्ट्री विश्वास पर आधारित होता है, लोगों के आवेदन पर आधारित होता है, जीत और हार के समीकरण पर निर्धारित होता है। यह मेरे कहने या मेरे देने से नहीं होता है।'

'आबादी 19 फीसदी, लाभ 35 फीसदी'

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'हमने 45 लाख आवास दिए, 35 फीसदी मुस्लिम आबादी को आवास मिले। हमने 2 करोड़ 61 लाख शौचालय बनाए, 35 फीसदी लाभ मुस्लिम समुदाय को मिला है। हम 15 करोड़ लोगों को राशन दे रहे हैं, इनमें 5 करोड़ मुस्लिम हैं। इसमें कहीं भेदभाव हुआ है क्या? हमने 9 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए की सालाना स्वास्थ्य बीमा का आयुष्मान योजना का कवर दिया है, इनमें 3 करोड़ मुस्लिम हैं। आबादी उनकी 19 फीसदी, लाभ 35 फीसदी, फिर भी कहेंगे कि अन्याय हमारे साथ हो रहा है। इससे बड़ा झूठ क्या होगा। मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति बीजेपी सरकार ने दिलाई है।'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि हिंदू पर्व और त्योहार शांति से मनाए जा रहे हैं तो मुस्लिम पर्व-त्योहार भी शांति से मनाए जा रहे हैं। अगर यहां कर्फ्यू नहीं तो वहां भी कर्फ्यू नहीं। लेकिन यहां की सुरक्षा खतरे में पड़ेगी तो वहां की सुरक्षा भी खतरे में पड़ेगी। यही तो होता था कि पर्व और त्योहार आने से पहले कर्फ्यू लग जाता था। अब तो नहीं हो रहा है ना।

केरल सरकार ने स्टूडेंट पुलिस कैडेट को हिजाब पहनने की इजाजत नहीं दी

कहा-धर्मनिरपेक्षता प्रभावित होगी

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने मुस्लिम छात्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें स्टूडेंट पुलिस कैडेट प्रोजेक्ट में धार्मिक रिवाजों के तहत हिजाब और पूरी बांह की ड्रेस पहनने की इजाजत मांगी गई थी। सरकार ने कहा कि राज्य पुलिस के कार्यक्रम में इस तरह की छूट से प्रदेश में धर्मनिरपेक्षता काफी प्रभावित होगी। स्टूडेंट पुलिस कैडेट (एसपीसी) प्रोजेक्ट स्कूल-आधारित युवा विकास पहल है, जो हाई स्कूल के छात्रों को लोकतांत्रिक समाज के भविष्य के नेताओं के रूप में विकसित होने की ट्रेनिंग देता है। राज्य के गृह विभाग ने अपने आदेश में कहा कि सरकार, छात्रा के ज्ञापन पर सावधानीपूर्वक गौर करने के बाद पूरी तरह से संतुष्ट है कि शिकायतकर्ता की मांग विचारणीय नहीं है इसके साथ ही, अगर स्टूडेंट पुलिस कैडेट प्रोजेक्ट में इस तरह की छूट पर गौर किया जाता है, तो ऐसी मांग अन्य समान बलों में की जाएगी, जो राज्य की धर्मनिरपेक्षता को प्रभावित करेगी।

...इस तरह का कोई संकेत देना सही नहीं

सरकार ने कहा कि इसलिए इस तरह का कोई संकेत देना सही नहीं होगा कि स्टूडेंट पुलिस कैडेट प्रोजेक्ट में धार्मिक प्रतीकों को दिखाया किया जाता है। स्टूडेंट पुलिस कैडेट्स की फैकल्टी ने कहा था कि इस्लामी मान्यताओं के अनुसार सिर पर दुपट्टा और पूरी बाजू की पोशाक पहनने की इजाजत नहीं होगी, इसके बाद छात्रा ने अदालत का रुख किया था।

केरल हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी मांग

केरल हाईकोर्ट ने स्टूडेंट पुलिस यूनिफॉर्म के तहत हिजाब और पूरी बांह की ड्रेस पहनने की मांग को खारिज कर दिया था। इसके बाद छात्रा ने राज्य सरकार से गुहार लगाई थी। हालांकि, अदालत ने कहा था कि वह रिट याचिका में उठाई गई शिकायत को राज्य सरकार के सामने रख सकती है।

राहत की बात! टीकाकरण के बाद कोरोना हुआ तो बनेगी सुपर इम्युनिटी

नई दिल्ली। अगर कोरोना से बचाव का टीका लगवाने के बाद भी आप संक्रमण की चपेट में आ गए हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह होने वाले संक्रमण से व्यक्ति के शरीर में सुपर इम्युनिटी विकसित होती है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ऐसा दावा रक्त में एंटीबॉडी की मौजूदगी के आधार पर किया है। अहम बात यह भी है कि वैज्ञानिकों का कहना है कि टीका लगने से पहले भी कोई संक्रमित हो चुका हो तब भी शरीर में सुपर इम्युनिटी विकसित होगी।

अमेरिका के ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने टीके की दो डोज ले चुके 104 लोगों के रक्त के नमूनों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि अभी तक कोरोना से बचे लोगों की तुलना में इससे संक्रमित हो चुके लोगों में एंटीबॉडीज का स्तर दस गुना अधिक पाया गया है। साथ ही जो लोग कोरोना रोधी वैक्सीन लगवाने से पहले संक्रमित हो चुके हैं, उनके रक्त में भी एंटीबॉडी का बेहतर स्तर पाया गया।

ओमिक्रॉन को खिलाफ कारगर-ध्यान देने की बात यह भी है कि यह शोध ओमिक्रॉन वैरिएंट के आने से पहले हुआ है। ऐसे में वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि सुपर इम्युनिटी

ओमिक्रॉन को भी मात दे सकती है।

रक्त को तीन वैरिएंट के संपर्क में लाए

सुपर इम्युनिटी के नतीजे तक पहुंचने के लिए वैज्ञानिकों ने शोध में शामिल सभी लोगों के रक्त के नमूनों को कोरोना के तीन वैरिएंट अल्फा, बीटा, गामा से संपर्क कराया। सभी लोगों को फाइजर टीके की दोनों खुराक लगी थी। परीक्षण में शामिल लोगों को पहले हुए संक्रमण के आधार पर तीन समूह में बांटा गया था। इसमें से 42 लोग ऐसे थे जो कभी संक्रमित नहीं हुए थे।

सुपर इम्युनिटी वायरस से लड़ने में सक्षम-शोधकर्ता डॉ. फिकाडु तफासे के अनुसार इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप पहले संक्रमित हुए हैं फिर टीका लगा है या पहले टीका लगा है फिर संक्रमित हुए हैं। दोनों ही मामलों में एंटीबॉडीज का स्तर अधिक मिला है जो वायरस से लड़ने के लिए सुपर इम्युनिटी का काम करेगी।

टीका न लेने वालों को खतरा अधिक

शोध में शामिल संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. मार्सेल कर्लिन का कहना है कि खतरा उन्हें ज्यादा है जिन्हें अभी टीका नहीं लगा है या जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है।

कोविड-19 प्रोटोकाल के साथ संसद का बजट सत्र

अलग-अलग समय पर होंगी दोनों सदनों की बैठक

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए संसद का आगामी बजट सत्र स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित सख्त कोविड-19 प्रोटोकाल के तहत होगा। संसद में बैठने की व्यवस्था इस तरह की जाएगी ताकि शारीरिक दूरी का पालन किया जा सके। लोकसभा और राज्यसभा के दोनों कक्षों में विजिटर्स गैलरी और सेंट्रल हाल में भी संसद के सदस्यों के बैठने की व्वस्था की जाएगी। दोनों सदनों का समय अलग अलग रहेगा। राज्यसभा सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक और लोकसभा शाम 4:00 बजे से रात 10:00 बजे तक चलेगी।

बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति संयुक्त सत्र में दोनों सदनों को संबोधित करेंगे और एक फरवरी को केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। नियम के अनुसार, विशेष रूप से केंद्रीय बजट की प्रस्तुति के दौरान

सदन का एक सदस्य दूसरे सदन में जाकर बैठ नहीं सकता है। संसद सचिवालय के कर्मचारियों सहित संसद परिसर में मौजूद सभी लोगों को हर समय मास्क पहनकर रखने के लिए कहा गया है। संसद परिसर में प्रवेश के लिए टीकाकरण प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा और कोविड टेस्ट के लिए विशेष डेस्क स्थापित किए जाएंगे।

केरल में टूटा कोरोना का कहर

94 फीसदी मिले ओमिक्रॉन के मामले; स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने चेताया

तिरुवनंतपुरम। केरल में कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि राज्य में ओमिक्रॉन संक्रमण की लहर चल रही है, क्योंकि कोरोना के इस उच्च संक्रमण वाले मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि केरल में तीसरी लहर ओमिक्रॉन की लहर है।

मंत्री ने कहा कि राज्य में निगरानी के लिए कोविड-19 के जितने संक्रमित रोगियों के नमूनों की जांच की गयी है, उनमें से 94 प्रतिशत रोगी ओमिक्रॉन स्वरूप के संक्रमण वाले पाये गए हैं,

- केरल में दर्ज किये गये 51,739 मामलों के साथ ही राज्य में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 58.26 लाख तक पहुंच गयी है। जॉर्ज ने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में विभिन्न विभागों की गतिविधियों में तालमेल के लिए उनके कार्यालय में कोविड निगरानी प्रकोष्ठ शुरू किया गया है।

जबकि छह प्रतिशत रोगियों में डेल्टा स्ट्रेन पाया गया है। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को राज्य में कोरोनावायरस के 51,739 मामले दर्ज किये गए हैं और अन्य स्थानों से केरल पहुंचने वाले कोरोना संक्रमित रोगियों के नमूनों के अनुक्रमण से पता चलता है कि उनमें से 80 प्रतिशत ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित थे, जबकि 20 प्रतिशत डेल्टा स्वरूप से।

केरल में बृहस्पतिवार को दर्ज किये गये 51,739 मामलों के साथ ही राज्य में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 58.26 लाख तक पहुंच गयी है। जॉर्ज ने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में विभिन्न विभागों की गतिविधियों में तालमेल के लिए उनके कार्यालय में कोविड निगरानी प्रकोष्ठ शुरू किया गया है।

कनाडा में सर्दी से जमकर मरे भारतीय परिवार की पहचान उजागर

दिल्ली। कनाडा से अमेरिका में घुसने की कोशिश करते वक्त सर्दी से जमकर मर जाने वाले परिवार की पहचान उजागर कर दी गई है. पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार भी किया है.कनाडा की सीमा पर सर्दी से जमकर मर जाने वाले भारतीय परिवार के मामले में पुलिस ने अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने की गतिविधियों की जांच शुरू कर दी है. इस संबंध में छह लोगों को हिरासत में लिया गया है. यह घटना बीते गुरुवार को सामने आई थी जब अमेरिका और कनाडा की सीमा के बीच एक भारतीय परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी. कनाडा के ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया है कि यह परिवार गुजरात का रहना वाला था. मरने वालों में 39 वर्षीय जगदीश बलदेवभाई पटेल, वैशालीबेन जगदीश कुमार पटेल (37), विशांगी जगदीश कुमार पटेल (11) और धार्मिक जगदीश कुमार पटेल (3) शामिल थे. उच्चायोग ने एक बयान में बताया कि इन लोगों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है. उच्चायोग ने कहा कि प्रवासन और आवाजाही को वैध और सुरक्षित बनाए जाने की जरूरत है ताकि ऐसे हादसे दोबारा ना हों.

गांधीनगर में पुलिस अधिकारी एके झाला ने बताया कि एक ट्रैवल और टूरिजम एजेंसी के छह लोगों को हिरासत में लिया गया है. उन्होंने कहा, ÷अब हम उन लोगों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं जिन्होंने इस परिवार को और अन्य लोगों को अवैध रूप से गुजरात से विदेश भेजा.÷ इस मामले में अमेरिकी अधिकारियों ने फ्लोरिडा में स्टीव शैंड नाम के

एक व्यक्ति गिरफ्तार किया था. सोमवार को एक स्थानीय अदालत ने शैंड को सशर्त जमानत दी. 'झकझोर देने वाली घटना' कनाडा की रॉयल कनेडियन माउंटेड पुलिस का मानना है कि यह परिवार 12 जनवरी को कनाडा आया था. वे लोग पहले टोरंटो पहुंचे थे और 18 जनवरी को वहां से मानीतोबा के इमरसन गए थे. चूंकि उनके पास कोई गाड़ी नहीं मिली थी तो यह अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी ने वहां उन्हें छोड़ा था. अधिकारियों के मुताबिक ये लोग अपने ही गांव के चार अन्य परिवारों के साथ भारत से आए थे.

ये लोग अपने 18 लोगों के समूह से अलग हो गए और एक बर्फीले तूफान में फंस गए, जिस कारण इनकी मौत हो गई. कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस त्रासदी को झकझोर देने वाली घटना बताया. मामला तब प्रकाश में आया जब अमेरिकी अधिकारियों ने बाकी लोगों को पकड़ा. पकड़े गए लोगों के सामान में एक बैग था जिसमें बच्चों का सामान था. लेकिन समूह में कोई बच्चा नहीं था जिससे अधिकारियों को संदेह हुआ. पूछताछ करने पर अलग हो गए लोगों का पता चला और उनकी खोज की गई. अमेरिकी अधिकारियों ने कनाडा के अफसरों को सूचित किया और तब पुलिस ने उन्हें खोजा लेकिन उनके शव बरामद हुए. गहरी है तस्करी की पैठ गांधीनगर में झाला कहते हैं कि लोग अमेरिका और कनाडा जाने के लिए अपना घर और जमीन तक बेच रहे हैं.

उन्होंने बताया, मानव तस्करी के गिरोहों की पकड़ बहुत गहरी होती है और अक्सर में स्थानीय नेता तक शामिल होते हैं.÷ भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने के मामले की गहन जांच के लिए अमेरिकी और कनाडा के अधिकारियों के साथ संपर्क साधा जा रहा है. आमतौर पर अमेरिका में घुसने के लिए अवैध प्रवासी कनाडा के रास्ते का इस्तेमाल नहीं करते हैं. अमेरिका में सीमाओं की पहरेदारी करने वाली विभाग के मुताबिक 2009 में कनाडा के रास्ते अमेरिका में घुसने की कोशिश करते 6,806 लोग पकड़े गए थे जिनकी संख्या 2021 में घटकर 916 रह गई थी. अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले साल इस रास्ते से सीमा पार करते 41 भारतीयों को गिरफ्तार किया था. 2020 में 129 और 2019 में 339 भारतीय पकड़े गए थे. मिनेसोटा स्थित इमिग्रेशन लॉ सेंटर की कार्यकारी निदेशक वीणा अय्यर बताती हैं कि पिछले हफ्ते जो सात लोग पकड़े गए हैं उन्होंने अगर स्टीव शैंड को सजा दिलाने में अधिकारियों की मदद की तो उन्हें अमेरिका का वीजा भी मिल सकता है. वीके/एए (रॉयटर्स, एपी).